आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 115 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 16 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

सोनिया-राहुल के खिलाफ चार्जशीट पर घमासान

देशभर में ED के दफ्तरों पर कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल की है। इसके खिलाफ आज कांग्रेस पार्टी देशभर में प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कई कांग्रेसियों को हिरासत में भी लिया गया है।

पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए ED का दुरुपयोग कर रही है। इस सिलसिले में कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार के खिलाफ राज्य मुख्यालयों में प्रवर्तन निदेशालय कार्यालयों के सामने और संबंधित राज्यों में जिला स्तर पर केंद्र सरकार के कार्यालयों के सामने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है।

चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा (शेष पृष्ठ-4 पर)

ED दफ्तर में वाड्रा से फिर पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के शिकोपुर लैंड डील मामले में रॉबर्ट वाड्रा से आज फिर पूछताछ हो रही है। वे लगातार दूसरे दिन ईडी दफ्तर पहुंचे हैं। रॉबर्ट वाड्रा आज अपनी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के साथ ईडी दफ्तर पहुंचे हैं। रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ शुरू हो गई है और प्रियंका गांधी ED हेडक्वार्टर के वेटिंग रूम में बैठी हैं। वे अधिकारियों के सामने पेश होंगे और पूछताछ में मदद करेंगे। ईडी दफ्तर के बाहर पहुंचते ही प्रियंका गांधी ने रॉबर्ट वाड्रा को गले लगाया, इसके बाद वाड्रा ईडी ऑफिस के अंदर जाने के लिए आगे बढ़े। ईडी की पूछताछ पर कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि हम किसी से डरते नहीं हैं। हम निशाने पर हैं क्योंकि हम प्रासंगिक हैं। चाहे राहुल गांधी को संसद में रोका जाए या मुझे बाहर रोका जाए। हम निश्चित रूप से निशाने पर हैं, लेकिन हम आसान सॉफ्ट टारगेट नहीं, हम हार्ड टारगेट हैं।

पूरा गांधी परिवार भ्रष्टाचार में लिप्त : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने नेशनल हेराल्ड मामले में देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन की घोषणा पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

भाजपा नेता ने कहा कि बीजेपी की ओर से, मैं शुरू में ही स्पष्ट करना चाहता हूं कि हालांकि कांग्रेस पार्टी को निश्चित रूप से शक्तियां और धरना देने का अधिकार है, लेकिन यह सरकार द्वारा नेशनल हेराल्ड को दी गई सार्वजनिक संपत्ति का दुरुपयोग करने तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राजनीतिक पार्टी होने के बावजूद पार्टी फंड को एक निजी संस्था को दे दिया, जो प्रतिबंधित है। जब कंपनी ने लोन वापस करने से मना कर दिया, तो पूरी संपत्ति परिवार के नाम करने की कॉरपोरेट साजिश की गई। यंग इंडियन नाम की एक नई कंपनी बनाई गई, जिसमें 38-38 फीसदी हिस्सेदारी राहुल गांधी और सोनिया गांधी के पास थी।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हम भाजपा की ओर से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस से पूछना चाहते हैं कि क्या कानून को अपना काम नहीं करना चाहिए? हजारों करोड़ की संपत्ति पर आपने गैरकानूनी और गलत तरीके से कब्जा कर लिया है, तो क्या हमें (शेष पृष्ठ-4 पर)

उप्र में सीएनजी महंगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में CNG महंगी हो गयी है। सीएनजी की कीमतों में 1 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, आगरा, उन्नाव, अयोध्या और सुल्तानपुर समेत यूपी के कई जिलों में CNG की कीमतों में 1 रुपये की वृद्धि की गई है। बढ़ी हुई कीमतें आज सुबह से लागू हो गई हैं। लखनऊ और आगरा में CNG का नया रेट रू. 97.75/- तथा उन्नाव, अयोध्या और सुल्तानपुर में नई कीमत रू. 95.00/- है। इससे पहले CNG की कीमत रू. 94.00/- थी।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके

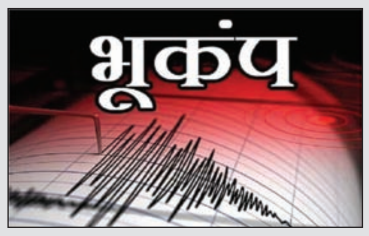

दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली समेत आस पास के इलाकों में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। सुबह सुबह ही धरती ने करवट ली, इससे दिल्ली-NCR समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में लोग सहम गए। भले ही यह सब कुछ चंद सेकंड्स का था, लेकिन उस समय डर लोगों के चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के मुताबिक भूकंप (Earthquake) का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में था, जिसकी गहराई लगभग 75 किलोमीटर मापी गई। यह इलाका पहले भी कई बार भूकंप की चपेट में आ चुका है और इसे एक सक्रिय सिस्मिक जोन माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.9 बताई गई थी, जिससे घबराहट और भी ज्यादा फैल गई। लेकिन कुछ ही देर (शेष पृष्ठ-4 पर)

कैलाश अस्पताल ने गाजियाबाद और नोएडा में खोले दो नए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सेंटर्स

गाजियाबाद/नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के जाने माने कैलाश अस्पताल ने अब अपनी डायग्नोस्टिक सेवाओं का विस्तार करते हुए नोएडा के अलावा गाजियाबाद में भी सेंटर खोला है। कैलाश अस्पताल द्वारा खोले गए इस सेंटर से गाजियाबाद के निवासियों को भी आधुनिक डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कैलाश अस्पताल की निदेशक डॉ. पल्लवी शर्मा ने आज दो नए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सेंटर्स का उद्घाटन किया। यह डायग्नोस्टिक सेंटर्स यू.जी.एफ.-9, अजनारा आर्केड, क्रॉसिंग रिपब्लिक, गाजियाबाद एवं शॉप नं.-19, गौर सिटी गैलेरिया मार्केट, गौर सिटी-2, नोएडा में खोले गए हैं। इस लॉन्च के साथ ही कैलाश अस्पताल पहली बार गाजियाबाद में अपनी डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध कराने जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण जाँच सुविधाएं सुलभ होंगी।

आपको बता दें कि कैलाश पैथ लैब्स, जो एन.ए.बी.एल. मान्यता प्राप्त भारत के सबसे बड़े लैब नेटवर्क में से एक है, इन सेंटरों का (शेष पृष्ठ-4 पर)

कैंसर से पीड़ित वृद्ध ने पत्नी व खुद को मारी गोली

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि मृतक वृद्ध व्यक्ति कैंसर से पीड़ित थे और नहीं चाहते थे कि कैंसर के इलाज में घर वालों का पैसा खर्च हो। सहायक पुलिस आयुक्त नंद ग्राम श्रीमती पूनम मिश्रा ने बताया कि थाना नंदग्राम क्षेत्र के राधाकुंज कालोनी में कुलदीप त्यागी 60 वर्ष ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से अपनी पत्नी अंशु त्यागी की हत्या की और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि कुलदीप त्यागी की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें बताया गया है कि वह कैंसर से पीड़ित थे जिसका पता घर वालों को नहीं था। वह नहीं चाहते थे कि इलाज में पैसा खर्च हो। इसलिए उन्होंने अपनी व अपनी पत्नी की जान ले ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जेसीबी से प्राधिकरण के अफसरों की गाडी पलटने वाले खनन माफिया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना सिटी के सेक्टर-17 में अवैध खनन रोकने गई यमुना प्राधिकरण की टीम पर खनन माफिया ने हमला कर दिया। आरोप है कि माफिया ने गोलियां भी चलाईं। टीम ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई और दनकौर थाना पहुंची। आरोपियों ने जेसीबी से अफसरों की गाड़ी पलट दी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

लापता छात्र दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मिला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर 78 स्थित महागुन मॉडर्न सोसाइटी से लापता दसवीं कक्षा के छात्र को पुलिस ने दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास से आज सुबह बरामद कर लिया है। पुलिस इसका डॉक्टरी परीक्षण करवा रही है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि वह पढ़ाई के दबाव से परेशान था। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने बताया कि सेक्टर-78 स्थित महागुन मॉर्डन सोसायटी निवासी राहुल माहेश्वरी का 16 वर्षीय बेटा दक्ष खेतान स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र है। वह सेक्टर-18 स्थित आकाश कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाता था। रोजाना की तरह वह सोमवार सुबह कोचिंग के लिए निकला पर वहां नहीं पहुंचा। कोचिंग सेंटर के कर्मचारियों और वेन ड्राइवर ने शिकायतकर्ता राहुल को दो बजे के करीब जानकारी दी कि उनका बेटा आज कोचिंग सेंटर और स्कूल नहीं गया है। इस मामले में छात्र के परिजनों ने सोशल मीडिया के विभिन्न ग्रुप पर बेटे की तस्वीर साझा करते हुए लोगों से अपील की है कि अगर किसी को उसके बारे में जानकारी हो तो तुरंत सूचना दें।

यीडा की क्रिकेट टीम ने जीता फाइनल मैच

नोएडा प्राधिकरण की टीम को 6 विकेट से किया परास्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में नोएडा स्टेडियम में चल रहे 4 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत आज फाइनल मैच खेला गया। नोएडा के 50 वें स्थापना दिवस पर नोएडा स्टेडियम में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की टीम ने नोएडा प्राधिकरण की टीम को 6 विकेट से परास्त कर दिया तथा फाइनल मैच जीत लिया। यीडा की टीम ने चार विकेट खोकर 165 रन बनाए। जबकि नोएडा प्राधिकरण की टीम ने 164 रन बनाए थे। यीडा के (शेष पृष्ठ-4 पर)

हैबतपुर में अवैध मकानों पर चला प्रशासन का बुल्डोजर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से प्लॉटिंग कर बनाए गए घरों पर आज प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही की है। ग्राम हैबतपुर में प्रशासन के बुल्डोजर ने 50 से अधिक घरों को तोड़ दिया है। बताया जा रहा है कि बड़े पैमाने पर हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से प्लॉटिंग कर मकान बनाए गए थे। ग्राम हैबतपुर में आज तहसील दादरी के अधिकारियों द्वारा अवैध रूप से की गई प्लॉटिंग के खिलाफ कार्रवाई की गई। यहां प्रशासन के बुल्डोजर ने अवैध प्लॉटिंग कर बनाए गए मकानों को तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि कार्यवाही के दौरान 50 से अधिक अवैध मकानों को तोड़ा गया है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही प्लॉटिंग के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा रहा है।

स्थापना दिवस पर मजदूरों को मिलेगा शुद्ध शाकाहारी भोजन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के 50वें स्थापना दिवस पर 17 अप्रैल को मजदूरों को शुद्ध शाकाहारी स्वादिष्ट भोजन मिलेगा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम हवन-पूजन के बाद खुद मजदूरों को भोजन बांटेंगे।

जी हाँ, नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम सेक्टर-6 स्थित प्रशासनिक कार्यालय में हवन -पूजन के साथ स्थापना दिवस का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद सेक्टर-49 स्थित कम्युनिटी किचन में वे मजदूरों को भोजन बांटेंगे। यह भोजन इस्कॉन मंदिर में स्थित गोविंदा रेस्तरां में तैयार होगा। यह जानकारी इस्कॉन मंदिर के मीडिया प्रभारी वंशीधर ने दी। इसको

लेकर नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के महा प्रबंधक एस.पी. सिंह, खण्ड-1 के प्रभारी वरिष्ठ महाप्रबंधक गौरव बंसल तथा खण्ड-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा ने इस्कॉन के कर्ताधर्ताओं से जाकर भोजन के संबंध में चर्चा की। बता दें कि गोविंदा रेस्तरां में लहसुन तथा प्याज के बिना भोजन तैयार किया जाता है। इसके बाद सीईओ व अन्य अधिकारियों द्वारा किसानों को 5 फीसदी भूखंड के आवंटन पत्र भी सौंपे जाएंगे तथा क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।

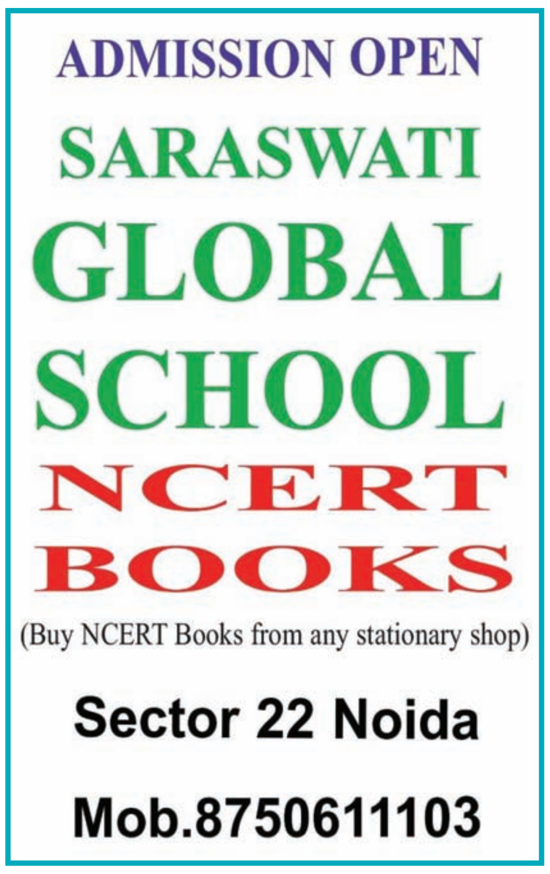

नजरअंदाज चुनौतियां

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की शृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन-चैन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के हित निश्चित रूप से राजनीति से ऊपर उठकर होने चाहिए। निस्संदेह, यदि राज्य सरकार की कारगुजारियों में नीतिगत खामियां हैं, तो विपक्ष को उन्हें सूचीबद्ध करके उजागर जरूर करना चाहिए। लेकिन आतंकवाद के खिलाफ किसी भी लड़ाई का एक स्वर में समर्थन किया जाना चाहिए। यदि जरूरत महसूस होती है तो आम आदमी पार्टी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलाने पर भी विचार करना चाहिए। इस मामले में तथ्यात्मक स्थिति को तो उजागर करना ही चाहिए, जिससे इससे जुड़ी किसी आशंका को दूर किया जा सके। निश्चित रूप से किसी आसन्न खतरे को महसूस करके उसके खिलाफ एकीकृत प्रतिक्रिया से जहां राज्य विरोधी तत्वों का मनोबल गिरेगा, वहीं आम लोगों की आशंकाओं को भी दूर किया जा सकेगा। निश्चित रूप से आगे की राह कठिन है, लेकिन उसका मुकाबला व्यक्तिगत अहंकार व राजनीतिक स्वार्थों को त्यागने से होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि उन्होंने इन्हें अनेक प्रकार से ललचाया और कहा कि कुछ वर माँगो। पर ये परम धैर्यवान (राजा-रानी अपने तप से किसी के) डिगाए नहीं डिगे। यद्यपि उनका शरीर हड्डियों का ढाँचा मात्र रह गया था, फिर भी उनके मन में जरा भी पीड़ा नहीं थी॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

प्रभु सर्बग्य दास निज जानी। गति अनन्य तापस नृप रानी॥
मागु मागु बरु भै नभ बानी। परम गभीर कृपामृत सानी॥

सर्वज्ञ प्रभु ने अनन्य गति (आश्रय) वाले तपस्वी राजा-रानी को निज दास जाना। तब परम गंभीर और कृपा रूपी अमृत से सनी हुई यह आकाशवाणी हुई कि वर माँगो॥

मृतक जिआवनि गिरा सुहाई। श्रवन रंध्र होइ उर जब आई॥
हृष्ट पुष्ट तन भए सुहाए। मानहुँ अबहिं भवन ते आए॥

मुर्दे को भी जिला देने वाली यह सुंदर वाणी कानों के छेदों से होकर जब हृदय में आई, तब राजा-रानी के शरीर ऐसे सुंदर और हृष्ट-पुष्ट हो गए, मानो अभी घर से आए हैं॥

दो0-श्रवन सुधा सम बचन सुनि पुलक प्रफुल्लित गात।
बोले मनु करि दंडवत प्रेम न हृदयँ समात॥

कानों में अमृत के समान लगने वाले वचन सुनते ही उनका शरीर पुलकित और प्रफुल्लित हो गया। तब मनुजी दण्डवत करके बोले- प्रेम हृदय में समाता न था-॥

(क्रमशः...)

मोदी का नया मंत्र : देरी विकास का दुश्मन

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की।

उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास का दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी।

देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

'देरी, विकास का दुश्मन है' के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को 'तेज और निडर भारत' के रूप में देख रही है। परियोजनाओं में देरी को विकास के दुश्मन के तौर पर प्रधानमंत्री का स्थापित करना एक तरह से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करना है। विश्व गुरू बनने की आकांक्षा हो या आर्थिक या दूसरी तरह वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर ना सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि उसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित किया जाना होगा।

सबको पता है कि कई बार राजनीतिक कारणों से पहले की सरकारों की लाई या उनके द्वारा शुरू या जारी की गई योजनाएं लटका दी जाती हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। कई बार नौकरशाही भी इस डिले, डिनाय और डिस्ट्राय यानी टालना, इनकार करना और खारिज करने के लिए जिम्मेदार होती है। आजादी के पचहतर साल बीतने के बावजूद नौकरशाही में यह मानसिकता बनी हुई है। अब भी तंत्र ऐसे ढेर सारे तत्व हैं, जो योजनाओं को लटकाने और टालने में भरपूर रूचि लेते हैं। एक तरह से ऐसी सोच वाला डीएनए तंत्र में फैला हुआ है। सरकारी तंत्र से जिनका रोजाना पल्ला पड़ता है, अक्सर वे भी फिनमैन जैसी ही सोच रखते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत की सफलता दर अगर बढ़ी है तो उसके पीछे निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री की दृष्टि है।

- उमेश चतुर्वेदी

स्वास्थ्य की रक्षा व भारत की आत्मनिर्भरता

भारत के बारे में एक आम धारणा यह है कि भारत भयंकर भूख से पीड़ित देश है। अगर हम वेल्टहंगरहिल्फ की रिपोर्ट पर यकीन करें तो आज भी भारत 127 देशों की सूची में भूख के मामले में 105वें स्थान पर है। लेकिन सच यह है कि आज भारत में बड़ी संख्या में लोग वजन कम होने से कम, बल्कि मोटापे की समस्या से ज्यादा पीड़ित हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से खाद्य तेलों का इस्तेमाल कम से कम 10 प्रतिशत कम करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि साल 2050 तक भारत में 44 करोड़ लोग मोटापे की समस्या से पीड़ित होंगे, जो कई बीमारियों की जड़ है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज, हृदय रोग, कैंसर और स्ट्रोक समेत कई बीमारियां मुख्य रूप से मोटापे की वजह से होती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 और 2020-21 के अनुसार, इन 5 वर्षों में मोटापे से पीड़ित महिलाओं की संख्या 20.6 प्रतिशत से बढक़र 24 प्रतिशत हो गई, जबकि पुरुषों में यह 18.9 प्रतिशत से बढक़र 22.9 प्रतिशत हो गई। यानी हमारी लगभग एक-चौथाई आबादी मोटापे से पीड़ित है। मोटापे की समस्या आम तौर पर जीवनशैली से जुड़ी होती है। इसके कई कारण हैं, जिनमें शारीरिक श्रम की कमी, वसा (खाद्य तेल), चीनी और नमक का अधिक सेवन शामिल है।

अगर हम खाद्य तेलों के उपयोग की बात करें तो हम देखते हैं कि खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति खपत, जो 1950 से 1960 के दशक में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष केवल 2.9 किलोग्राम थी, अब उद्योग रिपोर्ट के अनुसार बढक़र 19.4 किलोग्राम प्रति व्यक्ति वार्षिक हो गई है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 13 किलोग्राम की अनुशंसित खपत और आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) की सिफारिश, प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 12 किलोग्राम से कहीं अधिक है। गौरतलब है कि जनसंख्या 1951 में 35.4 करोड़ से बढक़र 2023 तक 143.8 करोड़ हो गई और इस अवधि के दौरान खाद्य तेलों की घरेलू उपलब्धता 13.8 लाख टन से बढक़र 114 लाख मीट्रिक टन हो गई। लेकिन इसी अवधि के दौरान 1951 में खाद्य तेलों के नगण्य आयात की तुलना में, 2022-23 तक यह 164.7 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू उत्पादन में आयात को जोडक़र, खाद्य तेलों की कुल उपलब्धता 2022-23 तक 278.7 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह ध्यान देने योग्य है कि यदि खाद्य तेलों की खपत आईसीएमआर द्वारा अनुशंसित सीमा के भीतर हो तो भले ही घरेलू उत्पादन मौजूदा स्तर पर बना रहे, भारत को खाद्य तेलों के आयात की आवश्यकता केवल 56.64 लाख मीट्रिक टन होगी।

खाद्य तेल मिशन - देश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने तथा आयात पर बोझ कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 2024 में खाद्य तेल मिशन शुरू किया गया, जिसके अनुसार 10103 करोड़ रुपए का व्यय किया जाएगा तथा प्राथमिक तिलहनों का उत्पादन वर्ष 2022-23 में 390 लाख टन से बढ़ाकर अगले 7 वर्षों में 697 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है। कहा जा सकता है कि इससे आयात पर निर्भरता कम होगी। और यदि प्रधानमंत्री की अपील भी कारगर रही तो आयात और भी कम हो जाएगा।

घटिया तेलों की खपत भी कम होगी - वर्तमान में भारत में उत्पादित खाद्य तेलों का 67.4 प्रतिशत विभिन्न प्राथमिक तिलहनों से, 5.1 प्रतिशत नारियल से, 2.2 प्रतिशत ताड़ से, 11.0 प्रतिशत कपास के बीजों से, 9.8 प्रतिशत चावल की भूसी से, 3.1 प्रतिशत तिलहनों के सॉल्वेंट निष्कर्षण से तथा 1.4 प्रतिशत वनों एवं वृक्षों से प्राप्त होता है। देश में विभिन्न प्रकार के तिलहनों का उत्पादन पारंपरिक तरीके से किया जाता है। भारत के पारंपरिक खाद्य तेल काफी हद तक स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। लेकिन विदेशों पर हमारी निर्भरता के कारण देश में बड़ी मात्रा में ऐसे तेल आयात और उपयोग होने लगे, जिन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। यह भी माना जाता है कि जीएम खाद्य तेलों का भी अवैध रूप से बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। आज जब भारत में खाद्य तेलों की कुल खपत का 57 फीसदी आयात से पूरा होता है, जिसमें से 59 फीसदी पाम ऑयल से आता है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, सोयाबीन तेल, पाम ऑयल का भी आयात किया जाता है। भारत के अपने उत्पादित तेलों में सरसों तेल की हिस्सेदारी 33 फीसदी, मूंगफली तेल की 25.4 फीसदी और सोयाबीन की 19 फीसदी है। सरसों तेल का भारतीय खानपान में काफी महत्व है और यह सबसे ज्यादा लोकप्रिय भी है। लेकिन खाद्य तेलों के अपर्याप्त उत्पादन और प्रति व्यक्ति खपत में लगातार वृद्धि तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाम ऑयल जैसे तेल भी बड़ी मात्रा में भारत में प्रवेश कर चुके हैं।

पाम ऑयल के हानिकारक प्रभाव - भारत में बड़ी मात्रा में आयात किया जाने वाला पाम ऑयल, जो अब हमारी खाद्य श्रृंखला का एक प्रमुख हिस्सा बन चुका है, वास्तव में स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। इसमें संतृप्त वसा की उच्च मात्रा के कारण हानिकारक एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढने् की संभावना है, जिससे हृदय रोग, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन सस्ता होने के कारण इसका आयात लगातार बढ़ रहा है। यह भी माना जाता है कि भारत में सरसों के तेल में ब्लेंडिंग के नाम पर बड़ी मात्रा में पाम ऑयल मिलाकर बेचा जाता है। इसके अलावा जीएम तेलों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव की चिंता भी महत्वपूर्ण है।

सही समय पर सही सलाह - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के लोगों को दी गई यह सलाह कि उन्हें अपने भोजन में खाद्य तेलों का उपयोग कम करना चाहिए, एक नेक सलाह है। यह अनुभव किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी लोकप्रियता के कारण लोगों को जो भी सलाह या अपील करते हैं, उसका लोगों पर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। चाहे खुले में शौच से जुड़ी अपील हो, या स्वच्छता की बात हो, या कोविड के दौरान टीका लगवाने की सलाह हो, या गैस सब्सिडी छोडने् की बात हो, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां लोगों ने प्रधानमंत्री की बातों को बहुत गंभीरता से लिया और देश तथा समाज को इससे बहुत लाभ हुआ। इसी तरह प्रधानमंत्री द्वारा लोगों को अपने भोजन में खाद्य तेलों की खपत 10 प्रतिशत कम करने की दी गई सलाह वास्तव में देश के लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ष 2030 में 151 करोड़ की अपेक्षित आबादी के साथ, यदि देश में खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 10 प्रतिशत कम हो जाती है, वहीं दूसरी ओर खाद्य तेल मिशन के उद्देश्यों के अनुसार देश में खाद्य तेलों का उत्पादन 2022-23 में 114 टन से 78 प्रतिशत बढक़र वर्ष 2030 तक 203 लाख टन हो जाता है,

प्रो. अश्वनी महाजन
पूर्व कालेज प्रोफेसर

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं बहुत बचकर पार करें। लग्न का सूर्य आपको बहुत तरह से बचा रहा है

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भावुकता पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान भी मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
प्रेम में तूतू-मैंमैं संभव है। बाकी स्वास्थ्य की स्थिति थोड़ी मध्यम। व्यापार की स्थिति आपकी अच्छी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ग्रह कलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार भी अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान अच्छा है, व्यापार भी अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम, संतान की स्थिति भी मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्यवश काम बनेंगे। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है। प्रेम, संतान में सुधार हो गया है।

सूरजपुर बाराही मेला : रागनियों और नृत्य की प्रस्तुतियों ने बांधा समा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में आयोजित ऐतिहासिक प्राचीन बाराही मेला.2025 के पांचवें दिन का आयोजन लोक संस्कृति, भावनात्मक अभिव्यक्ति और रंगारंग कार्यक्रमों से सराबोर रहा। दर्शकों की भारी भीड़ के बीच लोक कला मंच पर प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। देवेंद्र डांगी एंड पार्टी के कलाकारों पूजा राव, मनीषा मरजानी, ब्रह्मजीत भड़ाना और नीलम ने एक से बढ़कर एक रागनियों की प्रस्तुति दी। विशेष रूप से रागनी कलाकार पूजा राव द्वारा पूरणमल का किस्सा और देशभक्ति से भरपूर संस्कारपूर्ण रागनियों की प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। मंच पर डोली शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया मनमोहक नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम में दीक्षा डिग्री कॉलेज और पब्लिक स्कूल सूरजपुर के नन्हे.मुन्ने बच्चों ने गीत.संगीत की सुंदर प्रस्तुति दी। साथ ही खुशी कौर और पलक सिंह राजपूत, सूरजपुर की उभरती हुई प्रतिभाओं ने गीत-संगीत से दर्शकों का मन मोह लिया। लोक कला मंच पर हरियाणवी और राजस्थानी लोक संस्कृति की झलक मिलती रही, जहां चरी,बवई, घूमर, कच्ची घोड़ी और कालबेलिया जैसे लोकनृत्य दर्शकों को पारंपरिक लोक रंगों से सराबोर करते रहे।

राजबाला सपेरा एंड पार्टी (जयपुर) जो बीते 22 वर्षों से बाराही मेले में अपनी प्रस्तुति देती आ रही है, इस बार भी चर्चा में रही। राजबाला सपेरा एंड पार्टी की कोरियोग्राफर राजबाला सपेरा ने बताया क उनकी मंडली में कुल 16 लोक कलाकार शामिल हैं, जिनमें 7 महिला नृत्यांगनाएं खुशबू, रेखा, रवीना, चमेली, सानिया और पूजा शामिल हैं। ये सभी कलाकार मारवाड़ी, हरियाणवी, हिंदी, पंजाबी और गुजराती गीतों पर प्रस्तुति देने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि सूरजपुर का यह प्राचीन मेला न केवल स्थानीय वरन् विभिन्न प्रांतों की लोक कलाओं को एक मंच प्रदान करता है, जो कलाकारों के लिए गर्व की बात है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे गौ सेवक नितेश नागर और राहुल नारोली ने अपने संबोधन में गाय को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया और सामाजिक स्तर पर इसके महत्व को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित संजय गर्ग (हापु ?) शुभम गर्ग, रिंकी गर्ग और रचित गर्ग का स्वागत शिव मंदिर सेवा समिति द्वारा माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया। स्वागतकर्ताओं में समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महामंत्री ओमवीर बैसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा, सुभाष शर्मा (जींस वाले), योगेश अग्रवाल, तोलाराम, राजवीर शर्मा, भीम खारी आदि पदाधिकारी शामिल रहे।

शिव मंदिर सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि रात्रि कालीन कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रसिद्ध रागिनी कलाकार बलराम बैंसला, सुरेंद्र भाटी एंड पार्टी,सुषमा चौधरी, रेनु चौधरी, पूजा शर्मा धनुवास, लेखराज शर्मा, सत्यम शर्मा, सुरेंद्र ततारपुर अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अतिरिक्त अंजलि शर्मा एकेडमी सूरजपुर के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, साथ ही राजबाला सपेरा और पार्टी की लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी विशेष आकर्षण रहेंगी।

कविता

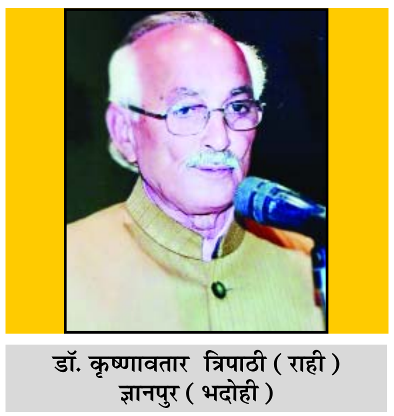

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

अधरों की भाषा को पलकें पढ़ लेती हैं
कोई नई कहानी गढ़ लेती हैं
जिससे हो जाये प्यार
अमर अपना युग तक
बस मौन इशारे हों
तेरे मेरे अंदर
यह प्यार अमर हो अपना इस दुनियां में
इतना उपकार हमारा साथी करना ।
अधरों से प्रश्न करूंगा मैं
तुम आंखों से उत्तर देना ।
डॉ कृष्णावतार त्रिपाठी राही

कांग्रेस के जिला कार्यकारिणी की बिसरख में हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस के कैम्प कार्यालय बिसरख पर जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक भाटी (चोटीवाला) द्वारा की गयी व संचालन जिला महासचिव मुकेश शर्मा द्वारा किया गया।

दूसरी बार पुन: जिला अध्यक्ष मनोनीत होने के उपरांत पहली जिला कांग्रेस कमेटी आम सभा बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय से निर्देशित कार्यक्रम करने मात्र से ही हमारे कर्तव्य की इतिश्री नहीं हो जाती है, जब तक हम गांव, नगर, शहर और सोसायटियों में नये कार्यकर्त्ता और पुराने कोंग्रेसियों को नहीं जगायेंगे उनको मुख्य धारा की राजनीति में राजनैतिक जिम्मेदारी नहीं देंगे तब तक हमारा तय लक्ष्य हमसे दूर ही रहेगा। गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न हुए अधिवेशन पर बताते हुए जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा की नि:संदेह यह ऐतिहासिक है कि अब कांग्रेस जिला अध्यक्ष ही मजबूत कांग्रेस की नींव का पत्थर होगा मगर अधिकार के साथ-साथ जिम्मेदारी भी साथ में मिली है लिहा?ा हम सभी को एकजुट होकर समर्पण और संघर्ष करना है।

बीते साल घोषित वर्तमान कमेटी में निष्क्रिय पदाधिकारियों की पहचान कर ली गयी है उन्हें अन्य राजनीतिक कार्यों में लगाया जाएगा इनके स्थान पर अन्य दूसरे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ब्लॉक, नगर, जिला संगठन में स्थान दिया जायेगा।

आम सभा बैठक में प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर व नोएडा उपाध्यक्ष ललित अवाना ने भी संगठन सृजन पर अपने विचार कार्यकर्ताओं के समक्ष रखे।

बैठक में श्रीमती कृष्णा देवी, सुरेश चंद शर्मा, गणेश प्रजापति, पंकज शर्मा, प्रबुद्ध जोशी, विपिन त्यागी, कपिल शर्मा, रोहित शर्मा, गौरव वशिष्ठ ने विधिवत कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की, माला पहनकर कांग्रेस परिवार में सभी का स्वागत किया गया।

जिला कांग्रेस आम सभा बैठक में मुख्य रूप से मुकेश शर्मा, पुरुषोत्तम नागर, महाराज सिंह नागर, गौतम अवाना, ललित अवाना, निशा शर्मा, कल्पना सिंह, उर्मिला चौधरी, रिजवान चौधरी, वसील अहमद, धरम सिंह बाल्मीकि, सूबेदार सतपाल फौजी, रघुराज शर्मा, देवेश चौधरी, गौतम सिंह, नितीश चौधरी, नीरज शर्मा, सुबोध भट्ट, दीपक प्रजापति, पुनीत मावी, मोहित भाटी एडवोकेट, कपिल भाटी एडवोकेट, तनवीर अहमद, आर0 के0 प्रथम, सचिन जीनवाल, रमेश चंद, सोरलाल शर्मा, ओमकार सिंह राणा, अभिषेक आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रामीण विकास समिति ने मनाई डॉ. अंबेडकर की जयंती

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतरत्न से सम्मानित महान समाज सुधारक व भारतीय संविधान के शिल्पी बाबा साहब अंबेडकर की जयंती ग्रामीण विकास समिति सोखा कमेटी के कार्यकर्ताओं ने समिति के अध्यक्ष हरगोविंद सिंह, संयोजक गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में सोरखा कॉलोनी सेक्टर- 115, नोएडा पर केक काटकर और उनके चित्र पर फूल माला/पुष्प अर्पित कर हर्सोल्लास के साथ मनाई।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास समिति के संयोजक व सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि आज ज्ञान, संघर्ष और समता के प्रतीक, भारतीय संविधान के निर्माता, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हम उन्हें केवल श्रद्धांजलि नहीं देते, बल्कि उनके विचारों को फिर से जीवित करने का संकल्प भी लेते हैं।

डॉ. अंबेडकर को केवल दलितों के नेता कहना उनके विराट योगदान को सीमित करना होगा। वे जाति व्यवस्था के खात्मे के लिए सबसे मुखर और वैचारिक योद्धा थे। 'जाति का विनाश' जैसी पुस्तक में उन्होंने जाति के ढांचे को जड़ से उखाड़ फेंकने की आवश्यकता बताई, और ये भी स्पष्ट किया कि यह केवल सामाजिक सुधार की बात नहीं, बल्कि लोकतंत्र और इंसानियत की नींव को सशक्त करने का सवाल है।

कार्यक्रम में दलित, शोषित, पीड़ितों व मजदूरों के हक अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने के लिए स्थानीय लोगों ने समिति के संयोजक गंगेश्वर दत्त शर्मा को फूल माला पहनकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो लोगों ने भोजन ग्रहण किया।

भगवत कथा व्यास को किया सम्मानित

गाजियाबाद (चेतना मंच)।

विप्र सेवा समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने शिव मंदिर नेहरू नगर गाजियाबाद में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के भागवत आचार्य बाल योगी पचौरी महाराज का मुकुट एवं पुष्प माला पहनाकर स्वागत और सम्मान किया। इस मौके पर संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री डॉ विनोद शर्मा, डॉ संजय अग्रवाल, एवं संजय शर्मा नरेंद्र उपाध्याय अजय उपाध्याय अनूप कुमार नीरज तोमर आदि मौजूद थे।

डॉ. मिलन शर्मा ने एमबीबीएस में किया टॉप, बधाईयों का तांता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गांव खेड़ी निवासी डॉक्टर धनेश शर्मा के पुत्र डॉक्टर मिलन शर्मा ने एमबीएस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप किया है। बताया जाता है कि डाक्टर मिलन शर्मा मुलायम सिंह यादव मेडिकल कॉलेज मेरठ में टॉप किया है उनके टॉप करने से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है डॉक्टर मिलन शर्मा को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने सम्मानित किया है। इस अवसर पर डॉक्टर मिलन शर्मा के ताऊ दिनेश शर्मा ने कहा कि मिलन शर्मा पहले से ही पढ़ाई में अव्वल था आवाज उसने परिवार के साथ-साथ क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है।

एसडीओ की मनमानी बनी चर्चा का विषय

UPPCL

नोएडा (चेतना मंच)। पश्चिमांचल विद्युत निगम के अधिकारी भंगेल एवं याकूबपुर में हो रही बिजली चोरी रोकने में पूरी तरह से असफल हो रहे हैं। बताया जाता है कि भंगेल एवं याकूबपुर में कटिया मार विद्युत की खुलेआम चोरी कर रहे है। लेकिन इस पर विभाग के लोग चुप हैं बताया जाता है कि भंगेल में बिजली चोरी की घटना कोई नहीं नहीं है। विद्युत निगम के एसडीओ विक्रांत से जब बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने टेलीफोन नहीं उठाया एसडीओ की मनमानी जग जाहिर है। इसके पहले भी सेक्टर-53 में जब एसडीओ की तैनाती थी तो वहां पर भी उनका यही खेल चल रहा था लाखों रुपए महीने की हो रही बिजली चोरी का जिम्मेदार आखिर कौन है यह निगम के आला अफसर बताने को तैयार नहीं है।

इफको फूलपुर इकाई ने किसानों को नैनो उर्वरकों के प्रयोग के लिए किया जागरूक

प्रयागराज/फूलपुर। इफको फूलपुर इकाई की टीम ने स्थानीय गांव पूरे का भुलई, बाबूगंज में पंचायत भवन में एक किसान चौपाल का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में किसानों को बाजरा, मूंग और धान की फसलों पर नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने छिड़काव की विधि, मात्रा और इसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने किसानों से बातचीत करते हुए कहा कि नैनो उर्वरक न केवल लाभकारी है, बल्कि यह मिट्टी को बंजर होने से भी बचाता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इसका प्रयोग करें और यदि किसी भी प्रकार की समस्या हो तो इफको की टीम से संपर्क करें, जो तुरंत मदद मुहैया कराएगी।

इस दौरान दो किसानों ने अपने खेतों में मूंग और बाजरे के लिए नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी का बीज शोधन कर बुआई शुरू कर दी। किसान चौपाल में किसानों ने नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी के प्रति अपनी उत्सुकता दिखाई और इसे अपनाने का निर्णय लिया।

कार्यक्रम में कोर्डेट प्रचार्य डॉ. हरिशचन्द्र, जनसम्पर्क अधिकारी स्वयं प्रकाश, प्रबंधक प्रशिक्षण अनुराग तिवारी, इफको इम्पलाइज संघ के महामंत्री विजय कुमार यादव, राजेश सिंह, दया शंकर त्रिपाठी, ग्राम प्रधान पुष्पा देवी, किसान कमलेश कुमार, जगदेव प्रसाद चौधरी, गुलाब सिंह, लाल चंद्र विश्वकर्मा, अबरार, आलोक यादव, और भानू प्रताप पटेल भी मौजूद रहे।

निठारी सेक्टर-31 में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर ओमी प्रधान के नेतृत्व में अनिल अवाना, सोनू अवाना, हरि अवाना, जावेद खान, श्याम दीक्षित, राहुल अवान, कर्मवीर समेत अन्य ग्रामीण और किसान नेहा मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

बस ने ऑटो में मारी टक्कर, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

▶ रिश्तेदार के यहां वलीमा में शामिल होना जा रहे था परिवार

एजेंसी

बहराइच। जिले के गोंडा-बहराइच मार्ग पर पयागपुर थाना की खूंटेहना चौकी के गांव कटेला के पास मंगलवार की दोपहरहुई दुर्घटना के मृतकों की शिनाख्त हो गई है। मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोगों में दो बच्चें, दो महिलाएं और एक पुरुष है। यह सभी ऑटो से एक रिश्तेदार के यहां वलीमा कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस दुर्घटना में 11 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा ने पत्रकारों को बताया कि एक डबल डेकर बस दिल्ली से गोण्डा जा रही थी। पयागपुर थाना के कटेला गांव के पास पहुंचते ही बस के आगे सीमेंट से लदा ट्रैक्टर ट्रॉली जा रही थी। बस चालक ने तेजी से ट्रैक्टर ट्रॉली को ओवरटेक करते हुए आगे बढ़ा, तभी सामने से आ रहे ऑटो से बस टकरा गई। उन्होंने बताया कि ऑटो में कुल 16 लोग सवार थे। इस दुर्घटना में अलीम (12), फहद (4), मरियम (60), अमजद (50) और मुन्नी (40) की मौत हो गई। इसके अलावा 11 लोग घायल है, जिसमें दस लोगों को लखनऊ रेफर किया गया। एक अन्य व्यक्ति का इलाज मेडिकल कॉलेज बहराइच में चल रहा है। पुलिस ने बस को कब्जे में लेते हुए ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं।घटना के संबंध में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि ओवरटेक के दौरान यह हादसा हुआ है। पांच लोगों की मौत हुई है और 11 लोग घायल हुए हैं। यह लोग एक ऑटो बुक करके पयागपुर थाना क्षेत्र के कोलुहवा गांव में एक रिश्तेदार के घर वलीमा में शामिल होने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि बस परमिट पर गोण्डा से दिल्ली चलती थी और कौड़िया ब्रिज से सवारियों को लेने जा रही थी। दुर्घटना के समय बस में कोई भी यात्री नहीं था।

पुंछ में सेना के गश्ती दल पर आतंकियों ने की फायरिंग, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के लसाना क्षेत्र में बीती रात संदिग्ध आतंकियों ने सेना की एक टुकड़ी पर फायरिंग की। यह हमला गश्ती पार्टी पर इलाके में निगरानी के दौरान हुआ। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में सेना ने बताया कि ऑपरेशन लसाना के तहत सुरनकोट के लसाना इलाके में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान आतंकियों से मुठभेड़ भी हुई। इलाके में और जवान भेजे गए हैं और तलाशी अभियान जारी है। जानकारी के मुताबिक देर रात लसान क्षेत्र में सेना की एक टोह पार्टी ड्यूटी पर थी। इस दौरान कुछ संदिग्ध आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए उन पर फायरिंग कर दी। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की,

जिसके बाद संदिग्ध आतंकी जंगल में भाग गए। इस मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद सेना और पुलिस ने मिलकर पूरे इलाके को घेर लिया है। संदिग्ध आतंकियों की तलाश के लिए जंगल और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी ली जा रही है। स्थानीय लोगों को भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी देने को कहा है। इस घटना के बाद पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। सेना और पुलिस के जवान राजमार्ग पर आने-जाने वाले सभी वाहनों की गहन जांच कर रहे हैं।

बलूचिस्तान में 8 पाकिस्तानी मजदूरों की हत्या

▶ हमले की जिम्मेदारी अलगाववादी संगठन ने ली, स्वतंत्रता की कर रहा मांग

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को आठ पाकिस्तानी प्रवासी मजदूरों की निर्मम हत्या कर दी गई। यह घटना शनिवार को मेहरेस्तान जिले के हैजाबाद में हुई, जो पाकिस्तान की सीमा से करीब 230 किलोमीटर दूर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी मृतक ईरान में एक वर्कशॉप में बतौर मैकेनिक काम कर रहे थे। हमलावरों ने इन मजदूरों को पहले बांधा और फिर गोलियों से भून दिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलोच नेशनलिस्ट आर्मी (बीएनए) नामक अलगाववादी संगठन ने ली है, जो पाकिस्तान से स्वतंत्रता की मांग कर रहा है।

इस संगठन की गतिविधियां ईरान के अंदर भी देखी जा रही हैं। पाकिस्तान और ईरान, दोनों देशों ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम ईरान में अपने नागरिकों की इस अमानवीय और कायरतापूर्ण हत्या की कड़ी निंदा करते हैं। हम ईरानी सरकार से उम्मीद करते हैं कि वह इस मामले की पूरी जांच करे और मृतकों के पार्थिव शरीर जल्द से जल्द पाकिस्तान भेजे। मृतकों की पहचान दिलशाद, उनके बेटे मोहम्मद नईम, जफर, दानिश, नासिर और तीन अन्य के रूप में की गई है, जिनके नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

ईरान में पाकिस्तान के राजदूत मुदस्सिर टिपू ने बताया कि इस जघन्य घटना की संयुक्त जांच के लिए दोनों देशों में समन्वय किया जा रहा है। वहीं, पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगदाम ने कहा कि आतंकवाद पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है। इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयास जरुरी है। इस हत्याकांड ने पाकिस्तान-ईरान सीमा पर पहले से मौजूद तनाव को और हवा दे दी है। जनवरी 2024 में दोनों देशों ने एक-दूसरे की सीमा में मिसाइल हमले किए थे।

कर्नाटक में जाति जनगणना रिपोर्ट लीक

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार जातिगत जनगणना रिपोर्ट के लीक होने के बाद आंतरिक दबाव का सामना कर रही है। वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के विधायकों और नेताओं ने रिपोर्ट के आंकड़ों पर कड़ा विरोध जताया है। गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक से पहले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कांग्रेस विधायकों की एक विशेष बैठक मंगलवार को बुलाई है। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने रिपोर्ट अभी नहीं देखी है, उसका अध्ययन किया जा रहा है। मंगलवार को हमारी पार्टी के समुदाय विशेष के विधायकों के साथ बैठक होगी। हम इस विषय पर चर्चा करेंगे और ऐसा सुझाव देंगे जिससे किसी की भावनाएं आहत न हों और सभी का सम्मान बना रहे।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में आया जोरदार भूकंप, पहाड़ से जमकर बरसे पत्थर

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के झटके से लोग सहम उठे। भूकंप से सैन डिएगो के बाहर ग्रामीण इलाकों में सड़कों पर पत्थर गिरने लगे। जू में हाथी डरकर भागने लगे। अलमारियों और दीवारों से सामान भरभरा कर गिरने लगे। फिलहाल, इस भयंकर भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, अधिकारियों नुकसान के आंकलन में जुटे हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, यह भूकंप स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह 10.08 बजे आया। इसका केंद्र सैन डिएगो काउंटी में जूलियन से केवल 4 किलोमीटर दूर था। जूलियन लगभग 1,500 लोगों का एक पहाड़ी शहर है, जो अपनी एप्पल पाई की दुकानों के लिए जाना जाता है। इसे 193 किलोमीटर दूर लॉस एंजिल्स काउंटी तक महसूस किया गया। भूकंप के बाद कई झटके भी आए। सैन डिएगो काउंटी के लिए कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन के कैप्टन थॉमस शूट्स ने कहा कि जब जमीन हिलना शुरू हुई तो स्कूली बच्चों को एहतियात के तौर पर इमारतों के बाहर ले जाया गया। उन्हें एक शेक अलर्ट मिला और फिर उन्हें चीजें लुढ़कती और टकराती हुई महसूस होने लगीं। उन्होंने कहा कि बहुत कंपन और खड़खड़ाहट हो रही थी। लेकिन शुक्र है कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है।

पश्चिम बंगाल में लोगों का पलायन करना बेहद चिंता का विषय: आलोक

एजेंसी

नई दिल्ली। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी हिंसा पर चिंता जताते हुए ममता सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और सपा नेताओं के बयानों पर भी टिप्पणी की। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और 24 परगना में हुई हिंसा पर आलोक ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से आए तमाम इस्लामी जिहादी घुसपैठ कर चुके हैं। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इन्हें राज्य सरकार का पूरा संरक्षण मिल रहा है। पश्चिम बंगाल में लोगों का पलायन हो रहा है, जो बेहद चिंता का विषय है। 1988-89 में कश्मीर में जो हालात बने और जिसके चलते कश्मीरी पंडितों को भागना पड़ा, वैसी ही तस्वीर आज बंगाल में सामने आ रही है। केंद्र सरकार को जल्द सख्त कदम उठाने होंगे। कांग्रेस नेता के बयान पर आलोक ने कहा कि दिग्विजय सिंह हिंदू धर्म के सबसे बड़े विरोधी हैं। उन्हें मुसलमानों से इतना प्रेम है तो बेहतर होगा कि वह इस्लाम धर्म को ही अपना लें। समाजवादी पार्टी के नेता इंद्रजीत सरोज और रामजीलाल सुमन को लेकर उन्होंने कहा कि देश में एक प्रतियोगिता सी चल रही है कि कौन सबसे ज्यादा जहरीला बयान दे सकता है।

दिल्ली में फिर से गर्मी का कहर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मौसम लगातार रौद्र रूप में आता जा रहा है। तेजी से मौसम में बदलाव हो रहा है और दिल्लीवासियों को लू की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार 16 अप्रैल से दिल्ली में लू की संभावना है जो 4-5 दिनों तक जारी रहेगी। यहां तापमान 38 डिग्री से 42 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 अप्रैल के बाद से गर्मी का स्तर बढ़ता रहेगा और 17-18 अप्रैल को तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता है। 16 और 17 अप्रैल को हल्के बादल छा सकते हैं लेकिन तापमान में कोई गिरावट नहीं होगी। आगामी 18-19 तारीख को दिल्ली में तेज हवाएं चलने की संभावना है।

स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत अभिनय का किया गया मंचन

एजेंसी

मीरजापुर। लालगंज।15 अप्रैल। विकास खंड लालगंज के प्राथमिक विद्यालय लहंगपुर में 15 अप्रैल दिन मंगलवार को स्कूल चलो अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही बच्चों को प्रतिवर्ष से डीबीटी से मिलने वाली धनराशि के विषय में जानकारी दी गई। नुक्कड़ नाटक की टीम ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों के बीच नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रेरित करते हुए बताया कि सभी अभिभावक अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजें। स्कूल के दिनों में बच्चों से ऐसा कोई कार्य न कराए जिससे कि उनकी शिक्षा बाधित हो। सरकार बच्चों के ड्रेस बैग जूता मौजा के पैसे दे रही है। इस पैसे को घर गृहस्थी के अन्य कार्य में ना खर्च करें। नुक्कड़ नाटक की टीम में नवीन मिश्रा, मोहम्मद असलम शेख, श्रवण सिंह, कविता मिश्रा शामिल रहे। इस मौके पर प्राथमिक विद्यालय लहंगपुर के प्रधानाध्यापक आलोक दुबे ने कहा कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना। सरकार द्वारा एक अनोखी पहल है। इस दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक इकाई अध्यक्ष प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ना है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा का संदेश आम जन मानस तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस अवसर पर उपस्थित प्राथमिक विद्यालय लहंगपुर के प्रधानाध्यापक आलोक दुबे, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक इकाई लालगंज अध्यक्ष प्रदीप कुमार तिवारी, नोडल शिक्षक संकुल लालगंज श्याम जी मौर्य,स्त्राजिता सिंह, आलोक मौर्या, अनिल, बृजेश शुक्ला, शीला सिंह, राजेश कुमार, राजभान मौर्य,शिव शंकर इन्सान,रजत जायसवाल आदि व समस्त अभिभावक उपस्थित रहे।

नोएडा से भी प्रदर्शन में पहुंचे कांग्रेसी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नेशनल हेराल्ड केस के नाम पर कांग्रेस नेतृत्व को निशाना बनाने के खिलाफ भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में गौतमबुद्धनगर से भी कांग्रेस के कार्यकर्ता 24 अकबर रोड कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर पहुंचे।

इस दौरान पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष पारस शुक्ला, कांग्रेस नेता दिनेश अवाना, राष्ट्रीय ज्वाइंट कोर्डिनेटर हरियाणा प्रदेश प्रभारी लियाकत चौधरी पश्चिम प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस शहाबुद्दीन, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौतमबुधनगर जावेद खान, अनिल अवाना, नोएडा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नीरज आवाना, महासचिव राम गुप्ता,श्याम दीक्षित,ओमी प्रधान, अमित कश्यप, जीशान चौधरी, प्रमोद, विवेक,आनन्द, आजाद,चांद, विक्की व अन्य लोग मौजूद रहे।

मिक्स मॉर्शल आर्ट में नोएडा की बानी ने जीता रजत पदक

नोएडा (चेतना मंच)। पटपडगंज दिल्ली में वन पंच क्लब ट्रस्ट द्वारा मिक्स मार्शल आर्ट पटपड़गंज दिल्ली में आयोजित फाइट नाइट किक बॉक्सिंग जूनियर फाइट में इंडिया का प्रतिनिधित्व कर 6 वर्ष की बानी जैन ने रजत पदक जीता। इस मौके पर बानी के पिता अर्पित जैन ने मॉर्शल आर्ट के मशहूर कोच रघुनन्दन कश्यप का धन्यवाद दिया और बताया कि उनकी अगुवाई में बेटी को यह पुरस्कार मिला। आयोजकों ने बताया कि रशियन स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया था। इसमें रशिया की मिकेलिना मिरोशकीना (8 वर्ष) ने स्वर्ण पदक जीता। रशिया की तरफ से एलेक्सेनकोव सेमन एवं एलेक्जेंडर ने भी प्रतियोगिता में हिस्सेदारी ली।

प्रतियोगिता के दौरान कई रशियन अतिथियों को आमंत्रित किया गया। जिसमें कई लोग शामिल हुए। इस आयोजन को अतिथियों द्वारा बहुत सराहा गया एवं इंडिया और रसिया की खेल जगत में दोस्ती के लिए एक अनोखा प्रयास किया गया है।

खास खबर

अध्यक्ष की दौड़ से अन्नामलाई हुए बाहर

चैन्नई। बीजेपी की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेन्द्रन के हाथों में होने और एआईएडीएमके के साथ गठबंधन के बाद निवर्तमान राज्य बीजेपी प्रमुख के अन्नामलाई के राष्ट्रीय भूमिका संभालने की उम्मीद की जा रही है। वहीं अन्नामलाई को लेकर जिस तरह की खबरें चल रही थी कि उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, लेकिन इन सारी अटकलों पर अब विराम लगता दिख रहा है। बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा ये सवाल बार-बार खड़ा हो रहा है। कोई कह रहा है कि आरएसएस की पसंद का होगा, कोई कह रहा है कि मोदी-शाह की पसंद का होगा तो कोई दक्षिण से किसी चेहरे को तरजीह मिलेगी तो कोई महिला अध्यक्ष का दावा कर रहा है। अन्नामलाई इस रेस में सबसे आगे बढ़ते नजर आ रहे थे क्योंकि वह नरेंद्र मोदी के खास हैं जो सिर्फ राजनीति ही उनके लिए कर रहे हैं, जिसे किसी दूसरे नंबर के नेता से भी कोई मतलब नहीं, जिस दिन अमित शाह ने ये ऐलान किया कि एआईएडीएमके के साथ गठबंधन करने जा रहे हैं, अन्नामलाई ने उस दिन कहा था कि वह राजनीति में नरेंद्र मोदी के चेहरे को देखकर आए थे। इसका मतलब है वह ये कहना चाहते हैं कि उनकी जवाबदेही मोदीजी के प्रति है।

दिल्ली में ईडब्लूएस प्रमाणपत्र जारी करने पर रोक

नई दिल्ली । दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को राहत देने वाले ह्यईडब्लूएस प्रमाणपत्र जारी करने पर रोक लगा दी है। ईडब्लूएस प्रमाणपत्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सदस्यों को शिक्षा और नौकरी के मौके के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है। दिल्ली सरकार ने हाल ही में सभी जिलाधिकारी और राजस्व विभाग के शीर्ष अधिकारियों की मौजदूगी में यह फैसला लिया। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग मुख्यालय से संजीव मित्तल (उपायुक्त-मुख्यालय) की ओर से जारी और संबंधित प्राधिकारों को निर्देश दिया गया है कि रेखा सरकार अब तक जारी किए गए ईडब्लूएस प्रमाणपत्रों की जांच करेगी। जहां तक अनुमान है कि बहुत बड़ी संख्या में अपात्र व्यक्तियों को ये प्रमाणपत्र जारी हुए हैं। अगले आदेश तक राजस्व विभाग द्वारा कोई भी नया प्रमाण पत्र जारी नहीं होगा।

जन्मदिन की बधाई

अमरेश श्रीवास्तव पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नोएडा के जन्मदिन पर चेतना मंच की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

चेतना मंच परिवार

पृष्ठ एक के शेष....

सोनिया-राहुल के खिलाफ...

और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह धमकाने का काम कर रहे हैं।

मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ED से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़। लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी। 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। ED ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था। ED ने लखनऊ में विश्वेश्वनाथ रोड पर स्थित 63.23 करोड़ की कॉमर्शियल प्रोपर्टी को भी अटैच किया था।

पूरा गांधी परिवार...

इसपर चुप रहना चाहिए। उन्होंने आरोपी लगाते हुए कहा कि परिवार ने 90 करोड़ की संपत्ति मात्र 50 लाख में खरीद ली। परिवार के एक अन्य सदस्य ने 3 करोड़ में जमीन खरीदी और उसका व्यवसायीकरण करके उसे 58 करोड़ में बेच दिया। यह है विकास का गांधी मॉडल। एक बात जो याद रखनी चाहिए वह यह है कि सोनिया और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने जांच को खत्म करने का हर संभव प्रयास किया। उन्होंने कहा, अदालत ने केवल इतनी राहत दी कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने की आवश्यकता नहीं थी। जांच चार साल से चल रही है और अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है।

जेसीबी से प्राधिकरण के...

घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अवैध खनन में प्रयोग होने वाली जेसीबी व डंपर को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि यमुना प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक (परियोजना) संजय कुमार श्रीवास्तव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है उनकी टीम को सेक्टर 17 थाना दनकौर क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना मिल रही थी। प्राधिकरण के सुपरवाइजर प्रमोद कुमार गनमैन हरेंद्र सिंह, उदयवीर सिंह और सुरक्षाकर्मी विनोद कुमार के साथ वह मौके पर पहुंचे। वहां पर माफिया अवैध खनन कर करते मिले। मौके पर एक जेसीबी और चार डंपर थे। आरोप है कि अधिकारियों ने खनन रोकने को कहा तो माफिया ने अपने साथियों के साथ टीम पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। टीम के सभी सदस्यों ने जमीन पर लेटकर जान बचाई। टीम के सदस्य सरकारी गाड़ी की तरफ दौड़ रहे थे, लेकिन तभी आरोपियों ने जेसीबी से गाड़ी भी पलट दी। किसी तरह टीम के सदस्य घटना स्थल से बचकर दनकौर कोतवाली पहुंचे। वहां पुलिस को सूचना दी प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक ने एक नामजद समेत 10 लोगों के खिलाफ शिकायत दी है।

इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर दीपक व 8-9 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रविंद्र पुत्र सुरेंद्र तथा निक्की पुत्र हरपाल को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से एक जेसीबी व एक डंपर भी बरामद हुआ है। अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

दिल्ली-एनसीआर...

बाद विशेषज्ञों ने इसे संशोधित कर 5.9 घोषित किया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े नुकसान या हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। भूकंप के झटकों के बाद सोशल मीडिया एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लैटफॉर्म्स पर यूजर्स ने अपने अनुभव शेयर करने शुरू कर दिए।

यीडा की क्रिकेट टीम...

बल्लेबाज सचिन भाटी ने सर्वाधिक 77 रन बनाकर रिकॉर्ड बनाया। वहीं नोएडा प्राधिकरण की टीम में एनईए अध्यक्ष चौधरी राजकुमार ने 43 रन बनाए। टॉस जीतने के बाद यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की टीम ने फील्डिंग करने का निर्णय लिया। नोएडा प्राधिकरण की ओर से चौ. राजकुमार ने सर्वाधिक 43 रन बनाये। जबकि वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह ने 3 रन, डीजीएम (सिविल) विजय रावल ने 13 रन, मोहित नागर ने 2 रन, मोहित सिंह ने 33, विपिन ने 38, हिमांग कटारिया ने 18 रन तथा मोनू चौहान ने 6 रन बनाकर 164 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया था। बता दें कि 12 अप्रैल को शुरू हुए क्रिकेट टूर्नामेंट में 8 टीमों ने भाग लिया। जिसमें नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, एनएमआरसी, पुलिस पैंथर्स, एनईए क्रिकेट-XI, पीवीवीएनएल तथा नोएडा टस्कर्स की टीमें शामिल थीं। सेमीफाइनल में नोएडा प्राधिकरण तथा यीडा की टीम जीतकर फाइनल में पहुंची थीं।

कैलाश अस्पताल ने...

संचालन कर रहा है। ये सेंटर अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित हैं और अनुभवी विशेषज्ञों की टीम के नेतृत्व में कार्य कर रहे हैं। इससे मरीजों को समय पर और सटीक रिपोर्ट मिल रही है। डॉ. पल्लवी शर्मा ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि कैलाश पैथ लैब्स उच्च गुणवत्ता, सटीकता और आधुनिक तकनीक के साथ लोगों को बेहतर डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य जाँच प्रक्रिया को न केवल सुलभ बनाना है, बल्कि उसे तेज, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना भी है। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. रितु वोहरा ने बताया कि इन प्रयोगशालाओं में नोएडा की पहली ड्राई बायोकेमिस्ट्री तकनीक और 7600 डिजिटल रोबोटिक क्लिनिकल केमिस्ट्री एनालाइज़र का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह प्रणाली कम समय में अत्यधिक सटीक परिणाम देती है और पर्यावरण को भी संरक्षित रखती है। कार्यक्रम में डॉ. सोनाली वर्मा, डॉ. सुनील, आर.बी. सिंह सहित अस्पताल के अनेक वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कैलाश अस्पताल समूह आने वाले समय में दिल्ली-एनसीआर से आगे देश के अन्य शहरों में भी डायग्नोस्टिक सेवाओं के विस्तार की योजना बना रहा है।

खास खबर

जम्पा चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। जम्पा के कंधे में खिंचाव आया है। इसी कारण राजस्थान रॉयल्स के साथ खेले गए मैच में उन्हें गेंदबाजी के दौरान परेशानी आई। इसके बाद वह स्वदेश लौट गये हैं। जम्पा ने इस टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेलते हुए 48 और 46 रन देकर एक-एक विकेट लिया था। जंपा जैसे अनुभवी स्पिनर का बाहर होना खिलाड़ियों के खराब फार्म से जूझ रही सनराइजर्स के लिए भी करारा झटका है। पहले माना जा रहा था कि जम्पा थोड़े आराम के बाद आईपीएल में वापसी करेंगे पर अब इसकी संभावना समाप्त हो गये है क्योंकि सनराइजर्स ने उनकी जगह कर्नाटक के बल्लेबाज आर स्मरण को टीम में शामिल कर लिया है। जम्पा अब अगले कुछ माह नहीं खेल पायेंगे। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

प्रशंसक ने की रोहित को कप्तान बनाने मांग

मुम्बई । रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। ऐसे में मुम्बई के प्रशंसक चाहते हैं कि एक बार फिर टीम की कप्तानी उन्हें दी जाये। आईपीएल के पिछले सत्र में रोहित की जगह पर हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया था जिससे प्रशंसकों में नाराजगी भी रही। वहीं अब एक प्रशंसक ने शिरड़ी मंदिर के बाहर टीम की मालिक नीता अंबानी से रोहित को फिर से कप्तान बनाने का अनुरोध किया। प्रशंसक ने नीता अंबानी से हाथ जोड़कर अनुरोध किया, रोहित को कप्तान बनाओ। इस पर अंबानी ने जवाब दिया, बाबा की मर्जी भगवान पर छोड़ दो। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। मुंबई इंडियंस की आईपीएल के इस सत्र में शुरूआत अच्छी नहीं रही ओर उसे केवल दो मैचों में ही जीत मिली है। टीम इस समय 4 अंक के साथ अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। वहीं रोहित का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है और उन्होंने 5 मैचों में 11.20 की औसत से केवल 56 रन बनाए हैं।

स्पिनर तारिक पर लग सकता है प्रतिबंध

लाहौर। पाकिस्तान के ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक पर प्रतिबंध लगना तय है। क्वेटा ग्लेडिएटर्स की ओर से खेल रहे तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सवाल उठे हैं। कलंदर्स के खिलाफ मुकाबले में मैदानी अंपायरों अहसान रजा और क्रिस ब्राउन ने तारिक की शिकायत की थी। इस मैच में तारिक ने 31 रन देकर एक विकेट लिया था। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि शारिक पीएसएल के बाकी बचे मैचों में गेंदबाजी कर सकते हैं पर अगर फिर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज होती है तो उनपर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। पीसीबी ने एक बयान में कहा, क्वेटा ग्लैडिएटर्स के स्पिनर तारिक की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए शिकायत मैदानी अंपायरों अहसान रजा और क्रिस ब्राउन ने की थी।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली इस सत्र में अब तक एक ही मैच हारी है। पिछले मैच में उसे अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुम्बई इंडियंस से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अब घरेल मैदान पर होने वाले इस मैच में कैपिटल्स जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे वह राजस्थान पर भारी पड़ेगी। पिछले मैच में टीम की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव और युवा विपराज निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह इस सत्र में भी बनाये रखना चाहेंगे। अक्षर पिछले मैच में विकेट नहीं ले ये थे और वह ये कमी इस मैच में पूरी करना चाहेंगे। इसके अलावा वह बल्लेबाजी में भी विफल रहे थे। युवा जैक फ्रेसर मैकगुर्क लय को भी अगर बने रहना तो रन बनाने होंगे। अब तक वह 50 रन भी नहीं बना पाये हैं। पिछले मैच में करुण नायर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर 82 न बनाये थे। अब इस मैच में भी उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मध्यक्रम में केएल राहुल ,ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा पिछले मैच में विफल रहे थे पर इस मैच में इनको रन बनाने होंगे।

वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की राह आसन नहीं है। वह छह में से केवल दो मैच ही जीती है, इससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इस प्रकार वह आठवें स्थान पर फिसल गयी है। रॉयल्स के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। यशस्वी जायसवाल केवल एक मैच में ही अर्धशतक बना पाये हैं। कप्तान सैमसन और रियान पराग व ध्रुव जुरेल भी बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। संदीप शर्मा के अलावा कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया है।

मुझे आईपीएल में पुराने अनुभवों का लाभ मिला : करुण नायर

एजेंसी

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में शानदार पारी खेलकर वापसी करने वाले करुण नायर ने कहा है कि उन्हें अपने पुराने अनुभवों का लाभ मिला। इसलिए उन्हें सत्र के पहले मैच में कोई परेशानी नहीं आई। इसका कारण है कि वह मानसिक रुप से खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । करुण तीन साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे, ऐसे उनके प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जाहिर की जा रहीं थी। करुण ने 2022 में अंतिम बार आईपीएल खेला था। उसके बाद उन्हें अवसर नहीं मिला था हालांकि घरेलू क्रिकेट में इस बची उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वापसी के अपने पहले ही मैच में करण ने अपनी 89 रनों की पारी से सभी को प्रभावित किया। इस दौरान

उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसो गेंदबाज पर भी जमकर शॉट लगाये। एक ओवर में बुमराह पर दो छक्के लगाने की क्षमा सभी में नहीं होती पर करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। इस कारण उनका मनोबल बढ़ा हुआ था। करूण ने कहा, ह्लमुझे आईपीएल में पहले खेलने का लाभ मिला। इससे मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ भी नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली । मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी इंडिया इसी माह पांच मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया ने इस दौरे के लिए पांच नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। भारतीय टीम इस दौरे में 26 अप्रैल से चार मई तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में खेलेगी। इस दौरे से नये खिलाड़ियों को भी अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम भारत इस दौरे में पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से खेलेगी और उसके बाद तीन मैच ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगी। सभी पांच मैच पर्थ स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-

25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी के लिए भी अवसर मिलेगा। इस बार टीम में पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को पहली बार शामिल किया गया है। इस प्रकार टीम में अनुभवी और नए खिलाड़ी दोनो ही शामिल हैं। टीम की कप्तानी जहां सलीमा टेटे के पास रहेगी। वहीं अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। अनुभवी सविता और युवा बिचू देवी खारीबाम गोलकीपर रहेंगी जबकि रक्षा पंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा शामिल हैं। मध्य पंक्ति की कमान कप्तान टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेम्सियामी पर होगी। नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) तथा मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड) को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में रखा गया है।

टिम डेविड ने गायब किया विराट का बल्ला

एजेंसी

नई दिल्ली। फिल साल्ट और विराट कोहली के अर्धशतकों की सहायता से आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत दर्ज की है। इसके बाद से ही आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में खुशी माहौल है। इसी दौरान नए खिलाड़ी टिम डेविड ने हंसी मजाक में ही कोहली का एक बल्ला गायब कर दिया। इसके बाद का एक वीडियो आया है। इसमें टिम ने कहा, मैं देखना चाहता हूं कि विराट को यह पता होने में कितना समय लगेगा कि हमने उनका एक बल्ला गायब किया है। बाद में कोहली को पता

चला कि उनका एक बल्ला नहीं है और उन्होंने कहा, मैंने कल अपने बल्ले गिने थे। ये सात थे अब ये छह ही बचे हैं। तभी उन्हें चला कि वह बल्ला टीम ने निकाल लिया था। जब कोहली ने देखा कि बल्ला उनका ही था, तो उनके चेहरे पर हंसी आ गयी। टिम ने कहा, विराट इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे कि हमने सोचा कि देखते हैं उन्हें यह पला चलने में कितना समय लगेगा कि उनका एक बल्ला जगह पर नहीं है। उन्हें पता नहीं चला। वह मैच को लेकर बहुत खुश थे, इसलिए, मैंने उन्हें वापस दे दिया जबकि उन्हें लगा कि मैं इसे चुराने की कोशिश कर रहा हूं, पर मैं ऐसा नहीं कर रहा था। विराट ने अब तक इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह पारियों में 143.35 की स्ट्राइक-रेट से 248 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाये

श्रेयस बने आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एजेंसी

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। श्रेयस ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रविंद्र को पीछे छोड़ा। अय्यर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में आक्रामकम बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक 243 रन बनाये थे और भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अय्यर ने ये प्ररस्कार मिलने पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा, मैं मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चयनित किये जाने पर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं। यह इसलिए विशेष है क्योंकि तभी हमने चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। ये एक ऐसा पल जिसे

हमेशा संजोकर रखना होगा। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 79 गेंद पर ही 98 रन बनाये थे। इसी तरह उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 गेंदों में 62 रन बनाये थे। फाइनल में भी अय्यर खासे सफल रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मैच में अय्यर ने 48 गेंदों पर 62 रन बनाए थे। इससे पहले फरवरी माह के लिए भारत के ही शुभमन को सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का इनाम मिला था।

धोनी से बात करते दिखे गोयनका

लखनऊ । यहां लखनऊ सुपर जॉइंट्स और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बीच हुए मैच के बाद सुपर जॉइंट्स के मालिक संजीव गोयनका सीएसके टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से बात करते हुए दिखे। धोनी ने इस मैच में अच्छी बल्लेबाज करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी। गोयनका को धोनी से बात करते हुए देखकर सभी हैरान हो गये क्योंकि एक समय उन्होंने धोनी को अपनी राइजिंग पुणे सुपर जॉइंट्स टीम से हटा दिया था। इस बार दोनों की मुलाकात और बातचीत की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किये जा रहे हैं। इस दौरान लखनऊ सुपर जॉइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत भी वहां मौजूद थे।राइजिंग पुणे सुपर जॉइंट्स टीम सिर्फ दो सत्र ही खेली और भंग हो गई। 2016 के आईपीएल में पहली बार यह टीम दिखी थी जिसके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे।

गावस्कर ने की पाटीदार के रवैये की प्रशंसा

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगह है जिससे वह बढ़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की हार के बाद मिली है। गावस्कर ने कहा,कप्तान के रूप में पाटीदार

काफी कुशल हैं। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहियेहै। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सवश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं। गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है। गावस्कर ने कहा, कार्तिक ऐसे मेंटर हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हैंहै। उनका मार्गदर्शन करते है और उन्हें जरुरी सलाह देते हैं। । पाटीदार की को एक ऐसी टीम मिली है जो जीत चाहती है। साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहले के बड़े शॉट खेलने से भी काफी अलग प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, कोहली इस बार शुरू से ही लंबे शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं जबकि पहले वह अपनी पारी में बाद में इस तरह के शॉट खेलते थे। इससे भी टीम के आक्रामक इरादों का अंदाज होता है। वहीं गावस्कर ने कहा कि खराब फार्म से जूझ रहे मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपने शॉट चयन पर ध्यान दें। उन्होंने कहा,जब वह पावर प्ले में आउट हो जाता है, तो दुख होता है। फिर चाहे वह मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहा हो या भारत के लिए।

धोनी ने बताया पिछले मैचों में सीएसके की हार का कारण

एजेंसी

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांच मैच में मिली हार के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को जीत मिली है। इस मैच में जीत के बाद कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने बताया है कि सीएसके किन कारणों से पिछले मैचों में हारी थी। लखनऊ ने इस मैच में सीएसके को जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे सीएसके ने 20 वें ओवर में हासिल कर लिया। इस सत्र की शुरूआत में सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ के पास थी पर वह कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गये। इसके बाद एक बार फिर धोनी को कप्तानी संभालनी

पड़ी है। धोनी ने मैच के बाद कहा, ह्लअगर आप पिछले मैचों को देखें तो पावरप्ले हो या वह टीम संयोजन हो या हालत में हम गेंद से संघर्ष कर रहे थे। इसी कारण हम बल्लेबाजी इकाई के रूप में वह शुरूआत नहीं कर पाए जो हम चाहते थे। साथ ही विकेटों का गिरना भी लगातार जारी था। हम कुछ हद तक गलत समय पर विकेट गंवाते रहे। इसका एक कारण यह हो सकता है कि हमारा घरेल विकेट थोड़ा धीमा हो। वहीं इस बार हम घर से बाहर खेल रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी इकाई ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है। शायद हमें ऐसे विकेट पर खेलने की जरूरत है जो अधिक बेहतर हों जिससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में आसानी हो। आप डर कर नहीं खेल सकतेह्व

उन्होंने आगे कहा, ह्ल तब हम अनुभवी स्पिनर आर अश्विन पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे थे। वह पहले छह ओवर में दो ओवर गेंदबाजी कर रहा था। हमने बदलाव किए और वह बेहतर गेंदबाजी करने लगे। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है।

ऋषभ के बिश्नोई को अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं देने पर उठे सवाल

एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाएंट्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपने घरेल मैदान पर ही हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के अंतिम ओवरों में अपने स्पिनर रवि बिश्नोई का इस्तेमाल नहीं करने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस मैच में जब सीएसके को जब अंतिम 4 ओवरों में 44 रनों की जरूरत थी तो सुपर जाएंट्स के कप्तान के पास बिश्नोई का एक ओवर था पर उन्हें नहीं दिया गया जबकि इस स्पिनर ने अपने पहले 3 ओवर में ही केवल 18 रन

देकर दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी कप्तान ने उनकी जगह पर तेज गेंदबाजों -शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया और यही फैसला उन्हें भारी पड़ गया। मैच के बाद कप्तान ने कहा कि उन्होंने बिश्नोई के इस्तेमाल के लिए कई खिलाड़ियों से चर्चा की थी पर ऐसा हो नहीं पाया। पावरप्ले में हम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायेहै हालांकि हम चीजों को वापस ला सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम हर मैच से सकारात्मक चीजें लेना चाहते हैं और सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं। इस मैच में ऋषभ ने 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी पर उनका मानना है कि टीम ने 10-15 रन कम बनाए थे जिससे नुकसान हुआ। लखनऊ के कप्तान ने कहा, हमने 10 से 15 रन कम बनाये जबकि हमें साझेदारी बनाये रखनी थी।

डालिला मुहम्मद बनीं टीसीएस वर्ल्ड 10 के लिए इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर

एजेंसी

बेंगलुरु। अमेरिका की दिग्गज एथलीट और ओलंपिक चैंपियन डालिला मुहम्मद को टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2025 के लिए इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर घोषित किया गया है। वह 27 अप्रैल (रविवार) को होने वाली इस प्रतिष्ठित दौड़ के 17वें संस्करण में विशेष रूप से शिरकत करेंगी।

400 मीटर हर्डल रेस में दुनिया की सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार डालिला मुहम्मद दो बार की ओलंपिक मेडल विजेता (गोल्ड-2016, सिल्वर-2020) और पूर्व वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर हैं। उन्होंने 2019 में अमेरिका ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में 400

मीटर हर्डल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए 52.20 सेकंड में दौड़ पूरी की थी, जो 2003 से चला आ रहा रिकॉर्ड था। इसके बाद उन्होंने उसी साल दोहा वर्ल्ड चैंपियनशिप में इसे और बेहतर करते हुए 52.16 सेकंड का रिकॉर्ड बनाया। डालिला ने रियो 2016 ओलंपिक में गोल्ड और टोक्यो 2020 ओलंपिक में 400 मीटर हर्डल फाइनल में 51.58 सेकंड का शानदार समय निकालते हुए सिल्वर मेडल जीता था। उस ऐतिहासिक रेस में सिडनी मैकलॉघलिन ने 51.46 सेकंड के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

इवेंट एम्बेसडर बनने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए डालिला मुहम्मद ने कहा, मैं वर्ल्ड 10के बेंगलुरु के 17वें संस्करण की इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मेरी दौड़ की शुरूआत एक लोकल रनिंग क्लब से हुई थी और वही जुनून आज भी कायम है। बेंगलुरु की रनिंग कम्युनिटी के जोश और जुनून को देखने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।

ट्रैक के बाहर भी डालिला मुहम्मद खेलों में विविधता और समान अवसरों की पक्षधर हैं। वे युवा एथलीट्स को मेंटर करने और उन्हें प्रोत्साहित करने का भी काम करती हैं।

प्रोकैम इंटरनेशनल के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक सिंह ने कहा, ह्लहम डालिला मुहम्मद का टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2025 में इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में स्वागत करते हुए बेहद गर्वित हैं। ट्रैक पर उनकी उपलब्धियां और युवाओं को प्रेरित करने का जज्बा उन्हें एक शानदार रोल मॉडल बनाता है ह्व

टीसीएसवर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को किया जाएगा, जिसमें कुल 210,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि रखी गई है।

ओसाका में 2026 विंटर व पैरालंपिक खेलों के लिए मशाल थामे हुए इटली के फिगर स्केटर केरोलिना कोस्टर व पैरालंपिक एथलीट मार्टिना कैरोनी।

क्यों खराब हो जाता है आपका फ्रिज

क्या आपका भी फ्रिज बार- बार खराब हो जाता है? कई लोग को पता भी नहीं होता कि उनका फ्रिज किन गलतियों के कारण खराब हो गया है। ऐसे में आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताने वाले हैं कि कैसे आप अपने फ्रिज को खराब होने से बचा सकती है।

कई बार हमारी छोटी गलती के कारण हमारा काफी बड़ा नुकसान हो जाता है। क्या आपका भी फ्रिज बार- बार खराब हो जाता है? कई लोग को पता भी नही होता कि उनका फ्रिज किन गलतियों के कारण खराब हो गया है। ऐसे में आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताने वाले हैं कि कैसे आप अपने फ्रिज को खराब होने से बचा सकती है। साथ ही यह भी बताने वाले हैं कि फ्रिज कैसे खराब हो जाता है।

सफाई सही से करें

कई बार फ्रिज में कोई सामान गिर जाता है और हम इसकी सफाई सही तरीके से नहीं करते हैं। फ्रिज की सफाई सही तरीके से करना काफी ज्यादा जरूरी हैं। ऐसे में फ्रिज में फंगस लग जाता है और मिनटों में हमारा महंगा फ्रिज खराब होने लगता है और हमें पता भी नहीं चलता। कई बार हम इसके लिए कपंनी में शिकायत करते हैं। इस दौरान गलती किसी और की नहीं बल्कि हमारी ही होती हैं। कई बार हम फ्रिज में जरूरत से ज्यादा सामान रख देते हैं। ऐसे में भी हमारा फ्रिज खराब हो जाता है। फ्रिज की सही तरीके से केयर करने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अगर आप ज्यादा सामान रखती हैं तब भी आपका फ्रिज खराब हो सकता है।

फ्रिज को लंबे समय तक खुला ना छोड़े

कई बार हम फ्रिज को लंबे समय तक खुला छोड़ देते हैं। इसके कारण भी हमारा फ्रिज खराब हो जाता है। अगर आप भी अपने पैसे फ्रिज के रिपेयरिंग में बर्बाद नहीं करना चाहती हैं तो आपको इन बातों का खास ख्याल रखना होगा।

बाहर जाते वक्त फ्रिज बंद ना करें

अगर आप बाहर जानें का प्लान बना रही है तो आपको अपने फ्रिज को पूरे तरीके से बंद नही करना चाहिए। कई बार इसके कारण भी फ्रिज खराब हो जाता है। आगे से आपको इस बाता का खास ख्याल रखना होगा। थोड़ी सी बिजली बचाने के चक्कर में हमारा काफी ज्यादा नुकसान हो जाता है।

ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यही मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

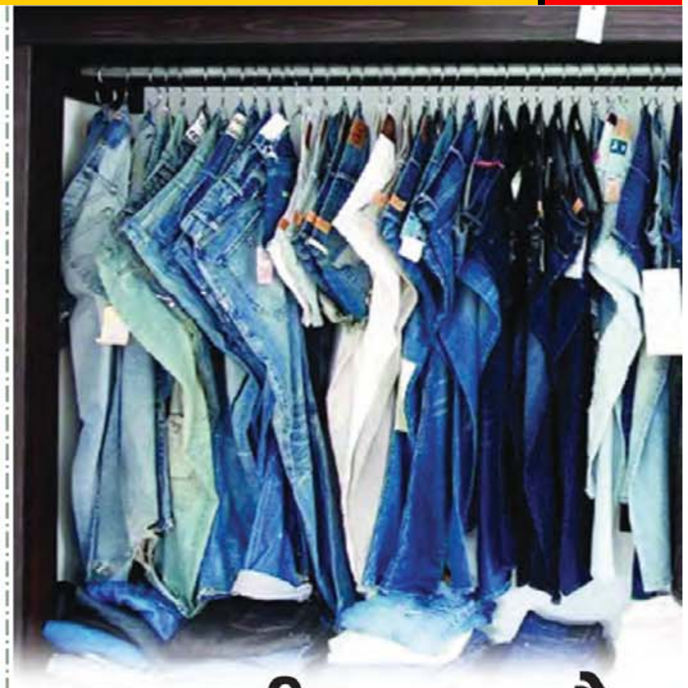

अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीदें ट्रैंडी जींस

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं- शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

सीरीज द रॉयल्स को लेकर उत्साहित हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। द रॉयल्स में भूमि एक ग्लैमरस और ताकतवर उद्यमी का किरदार निभा रही हैं। यह उनकी पहले की फिल्मों से बिल्कुल अलग है। भूमि की सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसे देखने के बाद फैंस की उम्मीदें इस सीरीज से और अधिक बढ़ गई हैं। हिंदी सिनेमा में 10 साल पूरे करने के बाद भूमि अब ओटीटी पर कदम रख रही हैं। द रॉयल्स में भूमि के अलावा ईशान खट्टर भी नजर आएंगे। इस सीरीज में उनका किरदार नया और बिल्कुल अलग है। एक खबर के मुताबिक भूमि ने कहा, वह इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन अपनी उम्मीदें कम रखती हैं। उन्हें अब तक दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और लोग उन्हें ईशान के साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। भूमि और ईशान की जोड़ी को फैंस पसंद कर रहे हैं। भूमि का कहना है कि दर्शकों का प्यार देखकर खुशी होती है। अपने 10 साल के करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दम लगा के हईशा से लेकर द रॉयल्स तक का सफर उनके लिए खास रहा है। भूमि ने आगे कहा कि वह अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हैं। द रॉयल्स के साथ भूमि ओटीटी पर कदम जमाने वाली हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'अकाल' में करण जौहर के साथ काम कर उत्साहित हूं

निर्देशक-अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल की पीरियड ड्रामा 'अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि करण जौहर बेहतरीन फिल्म निर्माता और इंसान हैं। अकाल के लिए उनके साथ हाथ मिलाकर एहसास हुआ कि उनकी फिल्म भाषा की सीमाओं को पार कर देशभर के दर्शकों को देखने को मिलनी चाहिए। गिप्पी ने कहा, हमें लगा कि हमारी फिल्म सीमाओं से बाहर निकलनी चाहिए। इसे पंजाबी दर्शकों के साथ ही देश भर के दर्शक देख सकें। इसलिए, हमने फिल्म को हिंदी में रिलीज किए जाने का फैसला लिया। पंजाब में हम तमिल और तेलुगू फिल्में हिंदी में देखते हैं। तो, हमारी फिल्मों को भी लोग देख सकें। उन्होंने आगे बताया, करण जौहर बेहतर निर्माता हैं। हमने पहली मीटिंग में ही सब कुछ तय कर लिया था। इसलिए, करण के साथ अगली मीटिंग में काम और भी तेजी से हुआ। गिप्पी ने कहा कि करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के माध्यम से फिल्म हिंदी में प्रस्तुत की जा रही है, जो इसकी विशेषता को बढ़ाने वाली है। करण के साथ काम करके काफी उत्साहित हूं। सभी को लगता है कि फिल्म को लेकर हमारी पहुंच बढ़ गई है। फिल्म को लोग हिंदी में भी देख सकेंगे। बाकी, तो सबकुछ फिल्म की कहानी और कलाकारों पर ही निर्भर करता है। अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड फिल्म 1840 दशक के पंजाब पर आधारित है।

अपनी जिंदगी के इन पलों को दोबारा जीना चाहते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फिल्म टाइम लूप की कहानी पर आधारित है। जिसमें राजकुमार राव की शादी होनी है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के किन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। इसमें उन्होंने अपनी पहली फिल्म से लेकर 'स्त्री 2' तक के समय का जिक्र किया।

इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे राजकुमार

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। अभिनेता ने कहा, किसी भी बाहर से आने वाले एक्टर के लिए पहली फिल्म मिलना काफी बड़ी बात होती है। मेरे साथ 2010 में ऐसा हुआ था। मैं उस पल को बार-बार जीना चाहूंगा। मैं उस पल को दोबारा जीना चाहूंगा जब मेरी मां मेरे साथ थीं। जब मैंने पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। फिर जब स्त्री 2 रिलीज हुई और पहले दिन बॉक्स ऑफिस के जो आंकड़े आए मैं चौंक गया था। हम सोच में पड़ गए कि क्या हो गया। शादी के दिन को बार-बार जीने की इच्छा अभिनेता ने आगे कहा, मैं उस दिन को भी बार-बार जीना चाहूंगा जब 2021 में मैंने पत्रलेखा से शादी की थी। मेरी शादी के तीनों दिन बहुत खूबसूरत थे और मैं इसे बार-बार जीना चाहूँगा। फेरे बहुत खूबसूरत थे। इसके अलावा पहली बार जब मैंने पत्रलेखा को गलियारे में चलते देखा, तो मैं उसे फिर से जीना चाहूंगा।

9 मई को रिलीज होगी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर 'भूल चूक माफ' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। जबकि फिल्म का निर्माण दिनेश विजन के मेडॉक फिल्म्स ने किया है। मेडॉक और दिनेश विजन के साथ राजकुमार राव की ये आठवीं फिल्म है। इसको लेकर राजकुमार राव काफी उत्साहित हैं।

विजय सेतुपति की फिल्म में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

साउथ फिल्मों में बॉलीवुड अभिनेत्रियों के काम करने का चलन काफी पुराना है, जिसमें कियारा आडवाणी से लेकर कई अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं। हाल ही में फिल्म देवरा पार्ट 1 जान्हवी कपूर ने लीड रोल निभाया था। वहीं अब एक और अभिनेत्री हैं, जो विजय की फिल्म में नजर आएंगी। हालांकि, वह पहले भी कई साउथ फिल्मों में अपना हुनर दिखा चुकी हैं।

एक खबर के मुताबिक, विजय सेतुपति और पुरी जगन्नाथ की आगामी फिल्म की घोषणा कुछ दिन पहले हुई थी। अब फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू अहम किरदार में नजर आएंगी। बहरहाल, इस फिल्म को लेकर तब्बू से बातचीत चल रही हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया था फिल्म को लेकर विजय ने पोस्ट

विजय सेतुपति ने आज से छह दिन पहले उगादि के अवसर पर अपनी नई फिल्म की घोषणा एक तस्वीर शेयर करके की थी, जिसमें विजय के साथ पुरी नजर आए। विजय ने कैप्शन में लिखा, एक सनसनीखेज सहयोग के साथ एक नए रोमांचक अध्याय की शुरुआत। शानदार निर्देशक पुरीजगन्नाध और दमदार कलाकार मक्कलसेल्वन ने सभी भारतीय भाषाओं में एक शानदार फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होगी।

पहले भी कई साउथ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं तब्बू

तब्बू ने कई साउथ फिल्मों में काम किया है, जिनमें कुली नंबर 1 तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने वेंकटेश के साथ काम किया था। निन्ने पेल्लादथा और आविदा मां आविदे तेलुगु फिल्में हैं, जिनमें तब्बू ने नागार्जुन के साथ काम किया है। प्रियुरलु पिलीचिंडी भी एक तमिल फिल्म है, जिसमें तब्बू ने काम किया है। अला वैकुंठपुरमुलु भी एक तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने अल्लू अर्जुन के साथ काम किया है। हाल ही में तब्बू बॉलीवुड फिल्म क्रू और हॉलीवुड सीरीज ड्यून- प्रोफेसी में नजर आईं। इसके अलावा वह अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी।

रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर शेयर की थामा की शूटिंग अपडेट

पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त हैं। थामा एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। आज थामा की अभिनेत्री रश्मिका ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है और साथ ही अपने फैंस से एक खास सवाल का जवाब भी मांगा है। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना 29वां जन्मदिन मनाया। वहीं वह इस दौरान अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त रहीं। इसी फिल्म को लेकर रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है और साथ ही अपने प्रशंसकों से फिल्म को लेकर एक खास सवाल भी पूछा है, जिसे देखने के बाद रश्मिका के फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर थामा के लोकेशन की एक तस्वीर शेयर की और साथ ही नोट भी लिखा। रश्मिका ने घने पेड़ों के बीच डूबते हुए सूरज की एक तस्वीर शेयर की है और साथ ही लिखा, कुछ दिनों के लिए रात में शूटिंग। आपको इस पोस्ट में सिर्फ चांद या फिर कैमरे की लाइट और सितारे ही दिखाई देंगे। इस नोट के साथ रश्मिका ने अपने फैंस से एक सवाल भी पूछा। क्या आप बता सकते हैं कि यह कौन सा शहर है, जो दिखाई नहीं दे रहा। क्या आप सहमत हैं?

हॉरर फिल्म थामा इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के अलावा आयुष्मान खुराना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका मंदाना फिल्म थामा के अलावा कुबेर नाम की फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ साउथ अभिनेता धनुष नजर आएंगे। कुबेर इस साल 20 जून को रिलीज होगी। यह फिल्म शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक ड्रामा तमिल फिल्म है।

सोचता हूं कि अपने ही देश में डरकर क्यों जी रहा हूं, यहां ऐसे जीना खलता है

वेब सीरीज स्कैम 1994 में हर्षद मेहता के रूप में अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले ऐक्टर प्रतीक गांधी अब दो और महान हस्तियों को पर्दे पर जीने जा रहे हैं। इनमें एक तो हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी है, जिसमें वह महात्मा गांधी के रूप में दिखेंगे। वहीं, फिल्म फुले में वह महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की भूमिका में हैं।

हैरत की बात है कि ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक पर पॉपुलर सिनेमा में इतने वक्त बाद फिल्म बन रही है? उनका किरदार निभाते हुए आपने उनके व्यक्तित्व से सीखा?

यह बहुत वाजिब सवाल है कि अब तक फिल्म क्यों नहीं बनी। वैसे, हैरानी तो इस बात पर भी होनी चाहिए की उन्होंने अपने जीवन का जो सबसे पहला स्कूल खोला था, वह इतनी जर्जर हालत में है कि देखकर लगेगा कि वह कभी भी टूट सकता है। किसी को यह विचार नहीं आया कि इस धरोहर को संभालकर रखना चाहिए। बहरहाल, मैंने तो बहुत सारी चीजें सीखीं। सबसे बड़ी बात जो मुझे लगी है वो यह कि आप सेल्फलेस होकर कैसे जी सकते हैं। उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं सोचा। दूसरे, जो बात सच लगे उसके साथ बिना डरे खड़ा होना। मतलब, किसी चीज को पूरा समाज सही मानता है, मगर वो आपको गलत लगती है तो उसे गलत कहने की हिम्मत रखना। आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है। अभी अहिंसा में कोई यकीन नहीं रखता। अभी तो कोई चीज बुरी लगी मतलब खत्म। मुझे यह सब देखकर बहुत दुख होता है। पता नहीं ये कैसे बदलेगा, मगर उम्मीद है कि एक दिन आएगा, जब सब अच्छा होगा।

फुले के अलावा, वेब सीरीज गांधी में आप महात्मा गांधी की भूमिका भी निभा रहे हैं। जबकि, गांधी पर इतनी नामी फिल्में बन चुकी हैं। आप लोग क्या नया दिखा रहे हैं? स्कैम 1994 के बाद हंसल मेहता संग दोबारा जुड़ने का अनुभव कैसा रहा?

यह सही है कि महात्मा गांधी पर कई फिल्में बहुत बनी हैं, मगर सीरीज पहली बार बनेगी। मेरे हिसाब से गांधी जी का जीवन सफर लॉन्ग फॉर्मेट में ही सबसे अच्छे से दर्शाया जा सकता है। इतनी बड़ा जीवन, इतना सारा काम है उनका। हमारा प्रयास गांधी जी के पूरे जीवन को शुरुआत से अंत तक दिखाने का है। हमने अभी पहला सीजन ही खत्म किया है, दो और सीजन अभी शुरू भी नहीं हुए हैं। रही बात हंसल सर के साथ काम करने की, तो वह बहुत मजेदार अनुभव रहा। हम बिना कुछ बोले भी एक दूसरे को समझ लेते हैं। उनके साथ मैं खुद को अच्छे से एक्सप्लोर कर पाता हूं, चैलेंज कर पाता हूं। उनकी स्टोरी टेलिंग मुझे वैसे ही बहुत पसंद है, जो बहुत नेचुरल है। यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे मजेदार एक्सपीरियंस था।

ज्योतिबा फुले के साथ उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलीं। इस मामले में आपकी पत्नी भामिनी का आपके जीवन में कितना योगदान रहा?

बहुत बड़ा योगदान है। इतने सालों से मैं जो इतनी अलग-अलग चीजें कर पाया, वह उसके योगदान और सहारे के बिना नहीं हो सकता था। कई बार इतनी सारी चीजें एक साथ करने में आप सिर्फ भाग ही रहे हैं। हम बहुत कुछ अचीव करना चाहते है, उसमें कहीं न कहीं घर पीछे छूट जाता है। हम उतना समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे समय में अपने जीवन साथी से आपको सिर्फ यही अपेक्षा रहती है कि वे आपको समझे और साथ दे। यह बहुत स्वार्थी सोच भी हो सकती है, मगर भामिनी ने उस वक्त में हंसते हुए मेरा साथ दिया और इतना इतना धैर्य रखा, जो बहुत बड़ी बात है। वरना हम यहां तक नहीं पहुंच पाते।

महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक को पर्दे पर जीना कितनी बड़ी जिम्मेदारी थी? उनके किरदार में ढलने के लिए क्या तैयारी रही?

हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह थी कि हमें इतिहास को बिना बदले एकदम ईमानदार तरीके से उनकी बात आप तक पहुंचानी थी, क्योंकि वह सिर्फ एक व्यक्तिव्य नहीं हैं। उन्हें समाज का एक पूरा वर्ग भगवान मानता है और सही कारणों से मानता है। हमारी कोशिश यह रही कि हम ना उन्हें किसी तरह से जज कर रहे हैं, न उन्हें अपने रंग में ढाल रहे हैं। हम सिर्फ उनकी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। वहीं, बतौर ऐक्टर मेरी तैयारी का सबसे बड़ा पार्ट यह था कि मुझे उनके बारे में वे चीजें भी जाननी, समझनी थी, जो स्क्रिप्ट में नहीं लिखी थीं। मुझे उनके व्यक्तित्व को समझना था ताकि बिना कुछ बोले भी अगर स्क्रीन पर खड़ा हूं तो लोगों को लगे कि वे ज्योतिबा फुले को देख रहे हैं और यह सिर्फ बाहरी दिखावे, फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से या कपड़ों से नहीं संभव था। उस पर चुनौती ये थी कि उनको जानने-समझने के लिए हमारे पास न कोई विडियो थे, न उनके कोई ऑडियो थे। तस्वीरें भी जो हैं, वे सिर्फ पेंटिंग है। हमारे पास किताबों में लिखा मटीरिल ही था, जिससे राइटर-डायरेक्टर अनंत महादेवन ने पूरी स्क्रिप्ट तैयार की।

फोर्टिस अस्पताल के बाथरूम में मिला रेडियोलॉजिस्ट असिस्टेंट का शव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल के शौचालय में रेडियोलॉजिस्ट असिस्टेंट की मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई। परिजन ने हत्या की आशंका जताते हुए हंगामा किया। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

जनपद गाजियाबाद के विजयनगर निवासी 28 वर्षीय संजीव कुमार नोएडा के सेक्टर 62 स्थित फोर्टिस अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के रूप में काम करते थे। सोमवार रात वह अस्पताल आए थे। मंगलवार सुबह आठ बजे तक उनकी ड्यूटी थी। सुबह करीब छह-सात बजे वह अस्पताल के शौचालय में गए। काफी देर तक जब वह शौचालय से बाहर नहीं आए तो वहां तैनात कर्मचारियों ने सुबह करीब 9.15 बजे किसी तरह दरवाजा खोला। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, संजीव शौचालय में अचेत पड़े हुए थे। उन्हें फौरन ही उपचार के लिए ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर उनको मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक संजीव की ड्यूटी सुबह आठ बजे ही समाप्त हो गई थी। जिसके चलते अंदाजा लगाया जा रहा है कि संजीव सुबह छह या सात बजे शौचालय गए और वहां पैर फिसलकर गिर गए और कुछ देर में ही मौत हो गई। डीसीपी रामबदन सिंह के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सूचना मिली थी। जिसके बाद थाना सेक्टर-58 पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक पैनल के माध्यम से शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है। मौत के कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जेवर एयरपोर्ट तक इमरजेंसी रोड का निर्माण तेज करें : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर में बनाये जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए बेहतर कनेक्टिविटी बनाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

डीएम मनीष कुमार ने जेवर पहुंच कर एयरपोर्ट के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा तैयार की जा रही 8 किलोमीटर लंबी 30मी0 चौड़ी इमरजेंसी रोड के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह द्वारा एयरपोर्ट के लिए तैयार की जा रही इमरजेंसी रोड के कार्य कि वर्तमान तक की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी ने एयरपोर्ट के लिए इमरजेंसी रोड निर्माण के लिए किये जा रहे कार्यों का बहुत ही गहनता के साथ निरीक्षण करते हुए कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि जेवर एयरपोर्ट भारत एवं उत्तर प्रदेश सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है, इसलिए इसके किसी भी कार्यों में शिथिलता न बरती जाए। साथ ही जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इमरजेंसी रोड के निर्माण कार्य में और अधिक तेजी लाई जाए, ताकि कार्य को समय में पूर्ण किया जा सके।

जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कल आयेंगी उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी

गौतमबुद्धनगर (सूवि.)। जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ0 मीनाक्षी भराला 17 अप्रैल 2025 को सुबह 11:00 से कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हितार्थ संचालित की जा रही योजनाओं से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक तथा महिलाओं की समस्याओं के निस्तारण के लिए जनसुनवाई करेंगी। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई के उपरांत सदस्य द्वारा जिला अस्पताल सेक्टर-39 नोएडा एवं कुमारी मायावती महामाया महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज बदलपुर गौतमबुद्धनगर का स्थलीय निरीक्षण भी किया जाएगा।

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने सर्वसाधारण से कहा कि आगामी 17 अप्रैल 2025 को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में महिलाओं से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए अवश्य प्रतिभाग करें।

जिला सैनिक बंधु की बैठक 23 अप्रैल को

गौतमबुद्धनगर (सूवि.)। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतमबुद्धनगर कर्नल कपिल कत्याल(अ0प्रा0) ने भूतपूर्व सैनिकों को जानकारी दी है कि जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए 23 अप्रैल 2025 को दोपहर 12:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर में जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक आहूत की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में भूमि विकास, पुलिस, बैंक, पेंशन, शिक्षा, आर्थिक अनुदान, रोजगार संबंधी समस्या तथा सैनिकों से संबंधित कोई अन्य समस्या का निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों से कहा कि बैठक में दिए गए बिंदुओं से संबंधित समस्याओं को बैठक से पूर्व 19 अप्रैल 2025 तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कार्यालय में प्रेषित करें, ताकि जिलाधिकारी को अग्रिम सूचनाओं से अवगत कराया जा सके। अतः भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रित आयोजित होने वाली बैठक में निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पहुंचकर प्रतिभाग करते हुए अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकते हैं।

15 से 19 तक बंद रहेगा रेलवे फाटक

गौतमबुद्धनगर (सूवि.)। उत्तर मध्य रेलवे दादरी के सीनियर सेक्शन इंजीनियर के द्वारा जानकारी देते हुए अवगत कराया गया है कि दादरी-मारीपत रेलवे स्टेशन के मध्य स्थित फाटक संख्या 148/एसपीएल पर मरम्मत कार्य होने के फलस्वरुप 15 अप्रैल 2025 से 19 अप्रैल 2025 की शाम 06:00 बजे तक बंद रहेगा। इस संबंध में उन्होंने आम नागरिकों का आह्वान किया है कि इस मार्ग से जाने वाले नागरिक फाटक बंद होने की अवधि के दौरान दादरी स्टेशन के समीप आर.ओ.बी. का उपयोग तथा 1420/18-20 में बने आर.यू.बी. का उपयोग कर सकते हैं।

सफाई में लापरवाही मिलने पर एजेंसी पर एसीईओ ने 1 लाख का जुर्माना ठोंका

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के प्रमुख कार्यपालक अधिकारी के (एसीईओ) संजय खत्री ने कल सेक्टर-130, 135 तथा 168 में कूड़े की ढेर मिलने पर सफाई करने वाली एजेंसी न्यू मॉडर्न कंपनी एंटरप्राइजेज पर एक लाख रुपए का जुर्माना थोपा।

दरअसल (एसीईओ) संजय खत्री ने उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल तथा जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह खंड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल तथा खंड-2 के वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा एवं अन्य अधिकारियों के साथ सभी गौशाला का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने लापरवाही पाने जाने पर स्वास्थ्य निरीक्षक और सहायक परियोजना अभियंता को चेतावनी दी।

गोवंशों की स्किन पर चकते मिलने पर उन्होंने उसका ठीक से ध्यान न रखने वाले केयरटेकर की एक महीने की सैलरी रोकने के साथ ही जवाब तलब किया है। गौशाला में साफ सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने माहतहत अफसरों को इस संबंध रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

कृषि मंत्री से मिल व्यापक चर्चा की कैप्टन विकास गुप्ता ने

लखनऊ आवास पर एस0बी0आई0 होल्डिंग जापान के निवेशक मनीष मिश्रा, विमानन विशेषज्ञ राज चोपड़ा, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान संस्थान (उपकार) के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता, उपकार के महानिदेशक संजय सिंह ने उप्र के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से मुलाकात कर कृषि के क्षेत्र में कई मुद्दों पर चर्चा की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की दिल्ली के गृह एवं शिक्षा मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं व व्यापारियों ने दिल्ली सरकार के गृहमंत्री एवं शिक्षा मंत्री आशीष सूद से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान आशीष सूद ने नोएडा के भाजपा कार्यकर्ताओं से दिल्ली सरकार में विकास मूलक कार्यों तथा मुख्यमंत्री के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार ने जनहित विकास कार्यों को करने का बीड़ा उठा लिया है जिसके परिणाम शीघ्र ही नजर आएंगे।

इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ता विजय शर्मा बबलू, मुकेश गर्ग (दरवाजे वाले), यश महाराज तथा राजीव सोलंकी आदि ने आशीष सूद से दिल्ली में चल रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की।

वर्क सर्किल-2 की टीम ने सेक्टर-18 में अतिक्रमण हटाया। इस दौरान सड़कों पर अवैध दुकानदारों का सामान जब्त किया गया। यह कार्रवाई सर्किल प्रभारी व वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह के नेतृत्व में की गई।

मुक्तांचल के 45वें अंक का विमोचन संपन्न

हावड़ा (ब्यूरो)। विद्यार्थी मंच व गाथा प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यिक पत्रिका मुक्तांचल के 45वें अंक का विमोचन हुआ। मुक्तांचल की संपादक डॉ. मीरा सिन्हा के बीज वक्तव्य से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। खड़गपुर से आए डॉ. पंकज साहा, मृत्युंजय श्रीवास्तव, सेराज खान बातिश, डॉ. विनय मिश्र, डॉ. प्रकाश कुमार अग्रवाल और प्राध्यापिका डॉ. विजया सिंह ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने शिक्षा के गिरते स्तर, बदलते सामाजिक परिवेश, अपसंस्कृति, पत्र-पत्रिकाओं के घटते प्रसार ने रचनात्मकता पर पड़ रहे प्रभाव को रेखांकित किया। विजया सिंह ने मीरा कांत के कथा साहित्य के अनछुए पहलुओं को उजागर किया। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा, संस्कृति और पत्रकारिता के सामने मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा हुई। कक्षा 8 के छात्र स्वराज पाण्डेय ने 1977 की सैनिक क्रांति के बाद के पाकिस्तानी शासन व्यवस्था पर पत्रकार अनवर इकबाल के लिखे संस्मरण 'पंद्रह कोड़े' के अनूदित रिपोर्ट को पढ़ा, जिसे श्रोताओं ने सराहा। डॉ. मीरा सिन्हा ने 'गाथा प्रकाशन' की योजना में उपस्थित विद्वतजनों के सहयोग की अपील की और पत्रिका के भविष्य के अंकों के लिए सुझाव माँगा। पत्रिका की निरंतरता और प्रकाशन से संबंधित चुनौती पर भी मिलकर विचार-विमर्श हुआ।

इस अंक में अज्ञेय के चौथा सप्तक के कवि राजकुमार कुम्भज की नौ कविताएँ, आलोचक मृत्युंजय श्रीवास्तव का 'किताबें मेरी जान' शीर्षक से एक बेहतरीन निबंध, रूप सिंह चंदेल की आत्मकथात्मक कहानी नौकरी की तलाश, उमा झुनझुनवाला, शिप्रा मिश्रा, शंकरानंद, जीतेंद्र जीतांशु की कविताएँ, कौशल किशोर की ध्रुवदेव मिश्र पाषाण पर लिखी संस्मृति व अन्य विविध विधाओं की साहित्यिक रचानाएँ शामिल हैं। कवर के 'उस पार से', 'इस पार तक' के स्तंभ में जनवादी कवि ध्रुवदेव मिश्र पाषाण की सन 1976 व सन 2017 की कविता विशेष उल्लेखनीय है, जो कवि के चेतना को रेखांकित करती है। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों ने मुक्तांचल की निरंतरता और गुणवत्ता की सराहना की। कार्यक्रम का सफल सञ्चालन शिक्षक विनोद यादव व धन्यवाद ज्ञापन पद्माकर व्यास ने किया। इस कार्यक्रम में पत्रिका के प्रबंध संपादक सुशील कुमार पांडेय, शोधार्थी श्वेता शर्मा, नेहा साव, गौरव कुमार व साहित्यप्रेमी त्रिनेत्रकांत त्रिपाठी, बलराम साव, राजदेव मिश्र, रामनरेश पांडेय, शशि साव तथा अन्य लोग उपस्थित थे।